डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

आधुनिक समाचार पत्रकार रचना त्रिवेदी...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमा:इस तरह करीना कपूर को कॉपी...

वर्ष -09 अंक -72 | प्रयागराज, बुधवार 17 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

बागेश्वर बाबा और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी पर जुर्माना लगाने की तैयारी में पटना पुलिस, जानें कारण

बिहार (एजेंसी)। पटना ट्रैफिक पुलिस यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए बागेश्वर धाम प्रमुख और स्वयंभू संत धीरेंद्र शास्त्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी पर जुर्माना लगाने की तैयारी में है। 13 मई को बाबा बागेश्वर के पटना पहुंचने थे। पटना पहुंचने के बाद, मनोज तिवारी उनके साथ अपनी कार में पटना हवाई अड्डे से पनाश होटल तक गए जहाँ वे ठहरे हुए हैं। दावा किया जा रहा है कि यात्रा के दौरान, उन्होंने कथित तौर पर सीट बेल्ट नहीं लगाई और होटल पहुंचे। इसके बाद पटना के ट्रैफिक एसपी पूरन कुमार झा ने मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की। सूत्रों के मुताबिक टीम का नेतृत्व पटना के ट्रैफिक डीएसपी करेंगे।

सूत्रों ने कहा कि अगर यह साबित हो जाता है कि उन्होंने यात्रा के दौरान सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। दरअसल, पटना के नौबतपुर स्थित तरेत में 13 से 17 मई तक हनुमंत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसी में शामिल होने के लिए धीरेंद्र शास्त्री पटना पहुंचे है। इसमें लाखों लोगों की भीड़ हो रही है। धीरेंद्र शास्त्री लाखों लोगों को कथा सुना रहे हैं। फिलहाल ट्रैफिक पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि एयरपोर्ट से होटल जाने के दौरान धीरेंद्र शास्त्री और मनोज तिवारी ने सीट बेल्ट बांधा था या नहीं। जांच में अगर दोनों दोषी पाये जाने है तो ट्रैफिक नियमों के तहत उनके ऊपर जुर्माना लगाया जा सकता है।

फिलहाल इसको लेकर राजनीति भी खूब हो रही है। धीरेंद्र शास्त्री के आगमन को लेकर बिहार भाजपा में उत्साह भी है। बिहार भाजपा के नेता लगातार धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में पहुंच रहे हैं। इन सब के बीच एक खबर यह भी आई थी कि बिहार के उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में जा सकते हैं। हालांकि, इसको लेकर जब तेजस्वी यादव से सवाल पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वह बागेश्वर बाबा के कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जहां जनता का कोई फायदा नहीं होता है वहां वे नहीं जाते हैं। इसी को लेकर भाजपा तेजस्वी यादव पर हमलावर हो गई है। भाजपा के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कहा कि तेजस्वी यादव वहीं जाना पसंद करते हैं जहां जालीदार टोपी हो।

राम मंदिर वाले रास्ते चला ज्ञानवापी विवाद,पूरे परिसर का होगा एएसआई सर्वे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की वाराणसी में ज्ञानवापी मंदिर परिसर के एएसआई सर्वे की याचिका को जिला कोर्ट की तरफ से मंजूर कर लिया गया है। कोर्ट द्वारा याचिका मंजूर किए जाने के बाद हिंदू पक्षकार की ओर से सर्वे से संबंधित दावेदारी की गई है। ज्ञानवापी परिसर की एसएसआई जांच को मंजूरी दिए जाने की बात कही है। हिंदू पक्षकार की ओर से दी गई याचिका को स्वीकार करते हुए वाराणसी जिला कोर्ट ने 22 मई को अगली सुनवाई का आदेश दिया है। ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि आज जिला अदालत वाराणसी में हमने मांग की कि पूरे परिसर की एएसआई जांच कराई जाए। हमने मांग की है कि तथाकथित मस्जिद के पश्चिमी दीवार की भी जांच हो। तथाकथित मस्जिद के गुंबद के नीचे हिंदू मंदिर का शिखर है उसकी भी जांच की जाए। याचिका सुनने के बाद जिला अदालत ने उन्हें(मुस्लिम पक्ष) 19 मई तक अपनी आपत्ति दाखिल करने का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 22 मई को निर्धारित की गई है। ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष के वकील मोहम्मद तौहीद खान ने कहा कि कोर्ट ने हमें 19 मई तक आपत्ति दाखिल करने का समय दिया है।...सारे परिसर की एएसआई की रिपोर्ट मांगना केस को विलंबित करने के उद्देश्य से किया गया है। सभी चीजों के पुराने सबूत उपलब्ध हैं तो उसकी जांच की क्या आवश्यकता है?

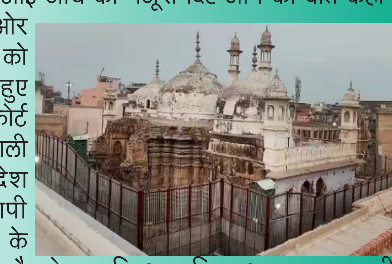

संक्षिप्त समाचार

शाहदरा में डीएमआरसी पर्यवेक्षक ने पत्नी और बेटी को मौत के घाट उतार कर लगाई फांसी

नई दिल्ली। दिल्ली में बेहद ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने पहले अपने पूरे परिवार को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद खुद उस व्यक्ति ने फांसी पर लटक कर अपनी जीवनलीला भी समाप्त कर ली। घटना के बाद से ही पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के मुताबिक घटना दिल्ली के शाहदरा इलाके में हुई है। यहां ज्योति कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने पहले अपने पूरे परिवार की जान ली। उसने अपनी पत्नी, बेटी और बेटे पर चाकू से हमला किया। इस हमले में व्यक्ति की पत्नी और बेटी की मौत हो गई है। वहीं हमले में व्यक्ति का बेटा बच गया मगर उसकी हालत काफी गंभीर बताई गई है। नाजुक हालत में उसका नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी व्यक्ति ने परिवार को मौत के घाट उतारने के बाद खुद भी फांसी से लटक कर आत्म हत्या कर ली है। घटना के संबंध में शाहदरा के डीसीपी ने मीडिया को बताया कि मृतक युवक की पहचान सुशील के रूप में हुई है जो दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में वेस्ट विनोद नगर स्थित डीपो में सुपरवाइजर के पद पर तैनात थे। उनके परिवार के पत्नी अनुराधा, बेटी अदिति और बेटे युवराज था।

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत राहुल गांधी की जीत और मोदी की हार है

भोपाल। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत को राहुल गांधी की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार बताया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) को "अफवाह फैलाने वाला संगठन" करार दिया। कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा सीटों के लिए 10 मई को हुए मतदान में कांग्रेस ने 135 सीटें जीतीं जबकि भाजपा और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाले जनता दल (सेक्युलर) को क्रमशः 66 और 19 सीटें मिलीं।

बागेश्वर बाबा के दरबार में जाने से तेजस्वी ने किया इनकार

पटना (एजेंसी)। बिहार में धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बागेश्वर बाबा का दरबार लगा हुआ है। उनके कार्यक्रम में लाखों लोग पहुंच रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री के आगमन को लेकर बिहार भाजपा में उत्साह भी है। बिहार भाजपा के नेता लगातार धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में पहुंच रहे हैं। इन सब के बीच एक खबर यह भी आई थी कि बिहार के उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में जा सकते हैं। हालांकि, इसको लेकर जब तेजस्वी यादव से सवाल पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वह बागेश्वर बाबा के कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जहां जनता का कोई फायदा नहीं होता है वहां वे नहीं जाते हैं। इसी को लेकर भाजपा तेजस्वी यादव पर हमलावर हो गई है। भाजपा के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कहा कि तेजस्वी यादव वहीं जाना पसंद करते हैं जहां जालीदार टोपी हो। उन्होंने कहा कि हनुमंत कथा से वोट बैंक की राजनीति पूरी नहीं हो रही है इसलिए तेजस्वी यादव बागेश्वर बाबा के दरबार में नहीं जा रहे हैं।

विपक्षी एकता को लेकर ममता बनर्जी के बयान पर अखिलेश यादव ने कही यह बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस के जबरदस्त जीत के बाद विपक्षी दलों के हौसले बुलंद हैं। इन सबके बीच ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि जहां कहीं भी कांग्रेस मजबूत होगी, तृणमूल कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। 2024 चुनाव के मद्देनजर ममता बनर्जी ने बड़ी बात कही है। सभी विपक्षी दलों की ओर से ममता बनर्जी के इस बयान का स्वागत किया जा रहा है। इन सब के बीच समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी ममता बनर्जी के इस बयान का स्वागत किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, केसीआर और विभिन्न राजनीतिक दल इसका रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं। जहां भी कोई पार्टी मजबूत होगी, उन सभी जगहों पर चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

आपको बता दें कि पिछले दिनों में ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के बीच मुलाकात हुई थी। उसके बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी ममता बनर्जी और अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। यह तीनों नेता लगातार विपक्षी एकजुटता को लेकर सक्रियता से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। बनर्जी ने राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा था कि जहां भी कांग्रेस मजबूत है, उन्हें लड़ने दीजिए। हम उन्हें समर्थन देंगे, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन उन्हें अन्य राजनीतिक दलों का भी समर्थन करना होगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, समर्थन हासिल करने के लिए कांग्रेस को अन्य दलों का भी समर्थन करना होगा। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें उम्मीद है कि सीट बंटवारे के फार्मूले में उन क्षेत्रों में क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां वे मजबूत हैं।

दो जनजातीय गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प, 15 लोगों की हुई मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत पश्चिमोत्तर इलाके में कोयले की खदान के परिसीमन को लेकर दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प में कम से कम 15 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि ये घटना कोहट जिले में दर्दा आदम खेक इलाके में सन्नीखेल तथा जारघुन खेल जनजातियों के बीच हुई। उन्होंने कहा कि घटना में घायल हुए लोगों को पेशावर के एक अस्पताल में भेजा गया है। घायलों की संख्या के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं हैं लेकिन दोनों गुटों के बीच गोलीबारी में दोनों ओर से लोग हताहत हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस का संयुक्त दल तथा सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने दोनों गुटों के बीच गोलीबारी रुकवाई। दर्दा आदम खेल पुलिस थाने में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। गौरतलब है कि सन्नीखेल तथा जारघुन खेल जनजातियों के बीच कोयला खदान के परिसीमन को लेकर विवाद पिछले कुछ वर्षों से चल रहा है और इसे सुलझाने के लिए कई बार "जिरगा" बुलाई जा चुकी हैं।

तिहाड़ जेल में बंद आप नेता सत्येंद्र जैन हो गये हैं डिप्रेशन का शिकार? फिजियोलॉजिस्ट को बुलाकर जरूरी इलाज कराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेल में बंद दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन द्वारा शिकायत किए जाने के एक दिन बाद कि वह अपने सेल में अकेला और उदास महसूस कर रहे थे, तिहाड़ जेल प्रशासन ने सोमवार को कहा कि वह एक फिजियोलॉजिस्ट की मदद लेंगे और उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान करेंगे।

जेल अधिकारियों ने कहा कि आप नेता ने जेल क्लिनिक के अंदर एक फिजियोलॉजिस्ट से परामर्श किया, जिसने सुझाव दिया कि वह लोगों के आसपास रहें और सामाजिक बातचीत करें, जब उन्होंने उल्लेख किया कि क्या वह उदास और अकेला महसूस कर रहे हैं।जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'अगर वह या कोई कैदी अवसाद से पीड़ित है, तो उन पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए। ऐसे में अगर जैन अवसाद से जूझ रहे हैं तो हम उनकी वर्तमान मनःस्थिति को समझने और उनका विश्लेषण करने के लिए किसी अन्य फिजियोलॉजिस्ट की मदद लेंगे और यदि वह अवसाद से पीड़ित पाए जाते हैं तो हम नियमानुसार आवश्यक उपचार की व्यवस्था करेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि तिहाड़ जेल प्रशासन ने जेल नंबर 7 के अधीक्षक को दो कैदियों को उस सेल में स्थानांतरित करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है जहां जैन बंद हैं। उन्होंने बताया कि जैन ने जेल प्रशासन को एक आवेदन देकर अनुरोध किया था कि दो कैदियों को उनके साथ रखा जाए क्योंकि वह उदास और अकेला महसूस कर रहे हैं।

उमेश पाल हत्याकांड : यूपी पुलिस ने शाइस्ता परवीन गुड्डू मुस्लिम और साबिर के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया

लखनऊ (एजेंसी)। उमेश पाल मर्डर केसः मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और उसके करीबी सहयोगियों गुड्डू मुस्लिम और साबिर के खिलाफ देश छोड़ने से रोकने के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। उमेश पाल मर्डर केस के ताजा अपडेट में, उत्तर प्रदेश पुलिस ने मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और उसके करीबी गुड्डू मुस्लिम और साबिर के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। इस बीच, पुलिस ने शाइस्ता परवीन पर पहले ही 50,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि परवीन और अन्य दो भी देश से भाग सकते हैं क्योंकि पुलिस के प्रयासों के बावजूद उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। बदले में, अधिकारियों ने इन तीनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने के लिए प्रेरित किया है। अधिकारियों ने कहा कि प्रयागराज पुलिस ने पहले इस संबंध में अपनी रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को भेजी थी। और इसी के आधार पर उनके खिलाफ देश छोड़ने से रोकने के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। नोटिस की अवधि 1 वर्ष के लिए होगी।

इससे पहले यूपी पुलिस ने 9 अप्रैल को मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन पर इनाम दोगुना कर दिया था. वह उस पर 50,000 रुपये का इनाम रखती है। पुलिस ने 19 अप्रैल को शाइस्ता की तलाश में उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी में भी छापेमारी की थी। पुलिस के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान अब भी जारी है।

इससे पहले 25 अप्रैल को उत्तर प्रदेश सरकार ने अतीक के साले अखलाक अहमद को कथित तौर पर अनैतिक गतिविधियों में शामिल स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर को निलंबित कर दिया था. डॉक्टर अखलाक़ अहमद फ़िलहाल प्रयागराज की नैनी जेल में बंद है. वह मेरठ के भावनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थापित थे। डॉक्टर अखलाक अहमद पर प्रयागराज में उमेश पाल की हत्या के बाद फरार शूटरों को विस्फोटक मुहैया कराने और गुड्डू मुस्लिम को शरण देने का आरोप है।

इस महीने की शुरुआत में, प्रयागराज पुलिस ने 2 मई को एक मोहम्मद अतिन जाफर की गिरफ्तारी के संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी में पहली बार परवीन को 'माफिया' के रूप में नामित किया था, जिसे उसे और साबिर को आश्रय देने के लिए गिरफ्तार किया गया था। उमेश पाल हत्याकांड के अलावा, शाइस्ता पर राज्य के विभिन्न थानों में दर्ज पांच जालसाजी और धोखाधड़ी सहित सात अन्य मामलों में नामजद है।

कालबैसाखी के कारण तेज हवाएं चलने से पेड़ गिरे, कई वाहनों को नुकसान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों में सोमवार शाम एक कालबैसाखी (नॉरवेस्टर) आया जिसके परिणामस्वरूप 84 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और कई पेड़ गिर गये तथा कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। पुलिस ने हालांकि कहा कि अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मौसम विभाग ने कहा कि कोलकाता में अलीपुर वेधशाला में रिकॉर्ड किया गया तूफान शाम 5.41 बजे से तीन मिनट तक चला और अधिकतम 84 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली।मौसम विभाग के मुताबिक शहर के उत्तरी हिस्से में दमदम में 62 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चली। यह हवाएं शाम छह बजे करीब एक मिनट तक चली। मौसम विभाग के मुताबिक कोलकाता के अलावा, नॉरवेस्टर ने पुरुलिया, बांकुड़ा, बीरभूम, पुरबा और पश्चिम मेदिनीपुर, पुरबा और पश्चिम बर्धमान, हावड़ा, नादिया तथा दक्षिण और उत्तर 24 परगना सहित दक्षिण बंगाल के अन्य जिलों को प्रभावित किया। कोलकाता सहित विभिन्न जिलों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हुई। कालबैसाखी के कारण विक्टोरिया मेमोरियल के पास मैदान क्षेत्र में और दक्षिण कोलकाता में लेक गार्डन क्षेत्र में कई पेड़ गिर गए और कुछ कारों को नुकसान पहुंचा। पेड़ों को हटाने और सड़कों को साफ करने के लिए आपदा प्रबंधन समूह के कर्मियों को तैनात किया गया है।

राहुल चले अमेरिका, पीएम मोदी के दौरे से पहले मैडिसन स्क्वायर पर भारतीयों के बीच देंगे भाषण

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी 31 मई को 10 दिवसीय दौरे पर अमेरिका जाएंगे। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि 4 जून को राहुल गांधी न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में लगभग 5,000 एनआरआई की रैली करेंगे। इसके अलावा वह स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पैनल चर्चा और भाषण के लिए वाशिंगटन और कैलिफोर्निया जाएंगे। वह राजनेताओं और उद्यमियों से भी मिलेंगे। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जून को संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा पर जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान, पीएम मोदी की मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन और प्रथम महिला जिल बिडेन द्वारा व्हाइट हाउस में एक राजकीय रात्रिभोज में की जाएगी। विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह एक प्रेस बयान के माध्यम से इसकी जानकारी दी। कैंब्रिज विश्वविद्यालय में भाषण देकर, सरकार की आलोचना करने और भारतीय लोकतंत्र पर प्रकाश डालने के बाद लंदन से लौटने के बाद राहुल गांधी सुर्खियों में छा गए। मार्च 2023 में राहुल गांधी ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय में लंदन में एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में और अंत में लंदन में चैथम हाउस थिंक टैंक में एक बातचीत सत्र के दौरान भाषण दिया। राहुल गांधी ने ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में कहा कि हर कोई जानता है और यह काफी खबरों में रहा है कि भारतीय लोकतंत्र दबाव में है और हमले के अधीन है। मैं भारत में एक विपक्ष का नेता हूं, हम उस (विपक्षी) स्थान को नेविगेट कर रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में बबली राम जाटव की धारदार हथियार से की गई हत्या

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर।थाना फूलपुर अंतर्गत सराय लिली उर्फ खोजापुर मैं ब्लॉक परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में बबली राम जाटव पुत्र स्वर्गीय पतिराम निवासी सुरेरी जौनपुर में निवास करते थे जोकि कॉल्विन हॉस्पिटल में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्य कर रहे थे 15 मई को ड्यूटी करने के उपरांत अपने आवास ब्लॉक परिसर फूलपुर में आए और अपने आवास पर आराम करने लगे सुबह चौकीदार द्वारा दरवाजा खुलवाने पर ना खुलने पर अनहोनी की शंका हुई तो उन्होंने याद पड़ोस के लोगों को अवगत कराया

इसकी सूचना थाना फूलपुर को हुई मौके पर पुलिस कमिश्नर अजय कुमार भारती एसीपी मनोज कुमार सिंह एस एच ओ फूलपुर अपने हमराही के साथ मौके पर पहुंचे और दरवाजा खोला गया तो पाया गया कि बबली राम जाटों की हत्या धारदार हथियार से की गई।

जानसेनगंज चौराह के पास बाहर होटल के कार में लगी आग!

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। जानसेनगंज चौराहे से रेलवे जंक्शन जाने वाले मार्ग पर स्थित एक होटल के बाहर खड़ी कार में मंगलवार सुबह आग लग गई। होटल कर्मियों और आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग

थमने की जगह बढ़ गई।

बगल में खड़ी दूसरी कार को भी चपेट में ले लिया। इससे लोगों में अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंचे फायर कर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग किन कारणों से लगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

नव निर्वाचित महापौर और पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी शुरू

राजकीय मुद्रणालय के मैदान में होगा समारोह

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। नव निर्वाचित महापौर और पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी शुरू हो गई है। राजकीयमुद्रणालय के मैदान पर शपथ ग्रहण समारोह होगा। शपथ ग्रहण समारोह के सिलिसिले में अपर नगर आयुक्त अरविंद राय ने मंगलवार सुबह नव निर्वाचित महापौर गणेश केसरवानी से मुलाकात की।

इससे पहले नगर निगम के अधिकारियों ने गत दिवस शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों के सिलसिले में बैठक की थी। अधिकारियों ने समारोह की तैयारियों के सिलसिले में सुझाव दिए। नगरर्जनिगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी ने बताया कि नव निर्वाचित

महापौर के सुझाव के आधार पर ही शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी होगी। तैयारी के मद्देनजर नगर निगम परिसर में भी साफ-सफाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

शहरी लोगों को जाम से नहीं मिल रही है निजात

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। रेलवे के मेगा ब्लॉक की वजह से शहर में जाम की समस्या बढ़ती जा रही है। मंगलवार सुबह से फिर कई इलाकों में जाम के हालात हो गए। हाईकोर्ट पानीटंकी फ्लाईओवर, नवाब यूसुफ रोड और रामबाग फ्लाईओवर पर सुबह से ही भीषण जाम लगने लगा। रामबाग फ्लाईओवर पर वाहनों का दबाव एकाएक बढ़ा वाहनों की लाइन लग गई।

रेलवे के सौ दिनों के ब्लॉक की वजह से पिछले कई दिनों से आधा शहर जाम की चपेट में है। जाम इतना भीषण लग रहा है कि फ्लाईओवर, रामबाग चौराहा, जीरोरोड बस अड्डे के रास्तों पर पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। बेनीगंज, हिम्मतगंज, खुल्दाबाद, नूरुल्लाहरोड, करबला,

लूकरगंज के इलाकों में भी जाम लग गया। दोपहर बाद शाम को कार्यालयों, हाईकोर्ट, कचहरी की छुट्टी होने के बाद फिर से जाम का झाम बढ़ गया। यातायात पुलिस की तैनाती तो रही, लेकिन वाहनों की लंबी कतार पर इसका असर नहीं पड़ा।

ट्रैक्टर चालक के खिलाफ दर्ज हुआ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा

प्रतापगढ़।लालगंज कोतवाली पुलिस ने वृद्ध की मौत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया। लालगंज कोतवाली के मकदुमपुर अगई निवासी रामदेव विश्वकर्मा (65) बीती सोमवार को दोपहर करीब बारह बजे साइकिल से कहीं जा रहा था। अगई ग्रामसभा के ही बिहारी का पुरवा के रास्ते पर ट्रैक्टर की चपेट में आने से रामदेव की मौत हो गई। घटना को लेकर मृतक के पुत्र ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ तहरीर दी। रानीगंज कैथौला चौकी इंचार्ज निकेत भारद्वाज का कहना है कि मृतक के पुत्र रतीपाल विश्वकर्मा की तहरीर के आधार पर ट्रैक्टर चालक पूरे अहिरन अगई निवासी राधे यादव के खिलाफ पुलिस ने गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

सीआईएससीई के नतीजों में इथेल हिगिनबॉटम के बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन-2022-23

आधुनिक समाचार सेवा

नैनी, प्रयागराज। काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) द्वारा घोषित नतीजों में इथेल हिग्गिनबॉटम स्कूल एण्ड कॉलेज के छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हाईस्कूल में सौम्या सिंह ने 96 प्रतिशत प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया। कॉलेज प्रबन्धन ने सौम्या सिंह को बधाई दी। साथ ही सुहानी पाण्डेय, साहिबा फातिमा, मो. जैद अंसारी, सौरभ कुमार मिश्रा, साक्षी और हृतिक सिंह ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया। वही इण्टरमीडिएट में सृष्टि सिंह ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज की गरिमा बढ़ाई।

भागवत कथा सुनने से मन की दूर होती हैं तमाम व्यथाएं

प्रतापगढ़। उदयपुर के राजापुर बाजार में चल रही सामूहिक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है। कथा व्यास आचार्य संतोष ने कथा प्रसंग में कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य को सदमार्ग मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। प्रत्येक मनुष्य को समय निकाल कर भागवत कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिए। आचार्य ने कहा कि भागवत कथा सुनने से मन की तमाम व्यथा दूर हो सकती है। कथा के बीच बीच में राधा कृष्ण संकीर्तन से समूचा पंडाल और भक्तिमय हो उठा दिखा। आयोजक मंडल की निर्मला केसरवानी, पंकज केसरवानी ने व्यासपीठ का श्रीअभिषेक किया। इस मौके पर अर्चना केसरवानी, नीरज केसरवानी एवं व्यापारमंडल अध्यक्ष रामचंद्र जायसवाल, त्रिवेणी प्रसाद मिश्र, श्याम लाल यादव आदि ने कथा श्रवण किया।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306 ,9415608710 ,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

एनटीपीसी सिंगरौली में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

आधुनिक समाचार सेवा

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर में भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ श्री राजीव अकोटकर, परियोजना, एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा किया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी सिंगरौली टाउनशिप में स्वच्छता जागरूकता रैली एवं सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस स्वच्छता जागरूकता रैली में एनटीपीसी एवं सीआईएसएफ़ कर्मचारियों द्वारा भारी संख्या में प्रतिभागिता कर स्वच्छता संदेश जन जन तक पाहुचाया गया।

श्री राजीव अकोटकर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राष्ट्रपिता गांधी जी के कदमों पर चलते हुए एनटीपीसी सिंगरौली आवासीय परिसर स्थित संगम शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पास स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं जन भागीदारी के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता हमारी जीवन शैली का अहम हिस्सा है एवं हमें निज स्वच्छता के साथ-साथ समाज और देश को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संकल्प ग्रहण करना चाहिए ।

इस अवसर पर श्री राजीव अकोटकर द्वारा सभी एनटीपीसी कर्मचारियों, सीआईएसएफ़ कर्मियों एवं सविंदा कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गयी ।

तदुपरान्त श्री राजीव अकोटकर ने कहा कि हम सबको स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहना चाहिए एवं इसके लिए सबको समय देना चाहिए। हम सभी को 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करना चाहिए एवं सभी को गाँव - गाँव और गली-गली में स्वच्छ भारत मिशन कर प्रचार करना चाहिए ।

इस अवसर पर श्री एल के बेहरा, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), श्री प्रबोध कुमार, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन), श्री अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (मैंटेनेंस), श्री देबब्रत कर, महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं), श्री सिद्धार्थ मण्डल, विभागाध्यक्ष- मानव संसाधन, श्री उपेन्द्र प्रताप सिंह, उप कमांडेंट, सीआईएसएफ़ कर्मी, अन्य सभी एनटीपीसी के विभाग प्रमुख, एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारीगण, यूनियन एवं एसोसिएशन के मानद प्रतिनिधिगण, संविदा कर्मी, बच्चे आदि उपस्थित रहें। इस वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक - 16 मई से 31 मई 2023 तक एनटीपीसी सिंगरौली में अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एनटीपीसी कर्मचारियों, बच्चों, गृहिणियों, संविदा कर्मियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्थल पर स्वच्छता अभियान का आयोजन प्रस्तावित है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स मशाल रैली को मुख्य विकास अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अमेठी। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2022 का आयोजन दिनांक 25 मई से 5 जून 2023 तक उत्तर प्रदेश के 4 जनपदों लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, वाराणसी, गोरखपुर एवं दिल्ली में किया जा रहा है, जिसमें 200 यूनिवर्सिटी एवं लगभग 8000 खिलाड़ी व प्रशिक्षक प्रतिभाग करेंगे। उक्त गेम्स के प्रचार-प्रसार हेतु 04 मशाल रैली प्रचार वाहन के साथ अलग-अलग दिशाओं में दिनांक 5 मई 2023 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ से माननीय मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश सरकार के कर कमलों द्वारा हरी झंडी दिखाकर मशाल रैली को रवाना किया गया। मशाल रैलियां संपूर्ण प्रदेश में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2022 के आयोजन का सार्वजनिक प्रचार प्रसार करेंगीं। उक्त मशाल रैली दिनांक 15 मई 2023 की सांय जनपद अमेठी पहुंची। मशाल रैली में टीम लीडर हरिओम मिश्र, प्रदर्शित शुभांकर सचिन, टेक्नीशियन प्रदीप कुमार तथा ड्राइवर विनोद कुमार का अमेठी बॉर्डर फुरसतगंज बाजार में जिला विकास अधिकारी तेजभान सिंह, उप जिलाधिकारी तिलोई फाल्गुनी सिंह, उपनिदेशक नेहरू युवा केंद्र आराधना राज, उप क्रीड़ा अधिकारी मोहम्मद मुशर्रफ, व्यायाम शिक्षक एवं सचिव जिला ओलंपिक संघ संदीप कुमार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात रात्रि विश्राम के उपरांत आज प्रातः 7:30 बजे रामलीला मैदान अमेठी में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा द्वारा उक्त मशाल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

मशाल रैली रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर सरयु देवी सरस्वती विद्या मंदिर अमेठी में समाप्त हुई। इस दौरान जिला विकास अधिकारी तेजभान सिंह, उप जिलाधिकारी अमेठी प्रीति तिवारी, उपनिदेशक नेहरू युवा केंद्र आराधना राज, जिला विद्यालय निरीक्षक उदय प्रकाश मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी आनंद बिहारी श्रीवास्तव, उपक्रीडाधिकारी मोहम्मद मुसर्रफ एवं शमीम अहमद, युवा कल्याण अधिकारी रागिनी सहित करीब 5000 छात्र-छात्राएं रैली में शामिल हुए।

दीवानी न्यायालय में पेशी पर आए बंदी को बदमाश ने मारी गोली मची अफरातफरी

जौनपुर। जौनपुर दीवानी न्यायालय में पेशी पर आए बंदी को बदमाशों ने गोली मार दी। हालांकि गोली बंदी के पीठ को छूते हुए निकल गई. वह घायल हो गया. इस दौरान वहां मौजूद अधिवक्ताओं ने बदमाश की जमकर पिटाई कर दी और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि मुजरिम को धर्मापुर से पेशी पर लाया गया था। समाचार लिखे जाने तक दीवानी न्यायालय में अफरातफरी का माहौल रहा। पुलिस अपनी कार्रवाई में जुटी हुई थी। दीवानी

न्यायालय जैसे भीड़भाड़ इलाके में गोली चलने की घटना पूरे शहर में आग की तरह फैल गई। वहीं सवाल यह उठा है कि आखिर यह बदमाश बंदूक लेकर अंदर कैसे पहुंच गया? फिलहाल कुछ भी हो, जांच का विषय है। दीवानी न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगी है।

बलिया के सुरेमनपुर स्टेशन को 11.79 करोड़ की लागत से होगा अत्याधुनिक

वाराणसी।अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत वाराणसी मंडल के सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन को भी चयनित किया गया है। सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित कर यात्रियों को अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जायेगी। अमृत भारत योजना के तहत चयनित वाराणसी मंडल के सभी 15 स्टेशनों को शहर की कला एवं संस्कृति को समाहित करते हुए स्टेशन के स्वरूप को विकसित किया जायेगा। इसके साथ ही पार्किंग, एप्रोच,प्रकाश व्यवस्था तथा साइनेज में भी वाँछित सुधार किया जाएगा।इस अमृत भारत योजना के अन्तर्गत 11.79 करोड़ की लागत से सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित कर अत्याधुनिक बनाया जायेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्कअधिकारी अशोक कुमार के अनुसार 1.10 करोड़ की लागत से सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन के सरकुलेटिंग एरिया, सम्पर्क मार्ग,पानी की निकासी के साथ पैदल आने जाने वाले यात्रियों के लिये पाथवे का निर्माण कराया जायेगा । 50 लाख नई दो पहिया,तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनों हेतु

पार्किंग तथा शौचालय का निर्माण किया जायेगा । 15 लाख की लागत से पोर्च का निर्माण कराया जायेगा। 65 लाख की लागत से (फसाड) मुख्य स्टेशन भवन के स्वरूप का सुन्दरीकरण कर और अधिक सुविधाजनक बनाया जायेगा। 3.51 करोड़ की लागत से प्लेटफॉर्म पर शेड विस्तार, सरफेस में सुधार, प्लेटफार्मों पर लो कास्ट पीपी शेड का कार्य भी कराया जाएगा । 19 लाख की लागत से यात्री प्रतीक्षालय में सुधार कर आकर्षक एवं सुविधाजनक बनाया जायेगा।

1.50 करोड़ की लागत से अन्य सौंदर्यीकरण के कराए जायेंगे। 1.12 करोड़ की लागत से 50000 गैलन क्षमता की पानी की टंकी का निर्माण किया जायेगा 81 लाख की लागत से ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, डिजिटल क्लॉक, ऑटो एनाउंसमेंट एवं अनारक्षित एवं आरक्षित टिकट काउन्टरों में सुधार किया जाएगा।

इस दौरान 1.72 करोड़ की लागत से स्टेशन पर लिफ्ट, फसाड लाइटिंग, साइनेज, लाइटिंग एवं पंखे की व्यवस्था कराई जायेगी। 02 लाख की लागत से स्टेशन परिसर के सुन्दरीकरण हेतु आकर्षक पौधरोपण किया जायेगा ।

सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से संबंधित सभी कार्यों के लिए निविदाये आमंत्रित की गई हैं । निविदाओं के निस्तारण के उपरान्त कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ लक्ष्यावधि मे पूरा किया जाएगा।सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन के समग्र विकास को लेकर बनाई गई योजनाएं पूर्ण होने के उपरान्त यात्रियों को बड़े स्टेशन पर आने का सुखद एहसास होगा।

अपर जिला जज ने जिला कारागार का किया निरीक्षण एवं बन्दियों को विधिक रूप से किया जागरूक

प्रतापगढ़। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के मार्गदर्शन में जिला कारागार का अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार बरनवाल ने निरीक्षण किया एवं बन्दियों को विधिक रूप से जागरूक किया। निरीक्षण के दौरान डिप्टी जेलर द्वारा अवगत कराया गया कि जिला कारागार में 1072 बन्दी निरूद्ध है जिसमें 887 विचाराधीन बन्दी है इसमें महिला 32 तथा 804 पुरूष एवं किशोर (18 से 21 वर्ष आयु समूह) बन्दियों की संख्या 51 है। सिद्धदोष बन्दियों की संख्या 171 बतायी गयी जिसमें 04 महिला बन्दी व 167 पुरूष बन्दी शामिल है। जेल में निरूद्ध महिला बन्दियों के साथ कुल 03 बच्चे रह रहे है। सचिव द्वारा जिला कारागार में स्थित महिला बैरक, पाकशाला, जेल अस्पताल, लीगल एण्ड क्लीनिक एवं वीडियो कान्फ्रेसिंग रूम सहित जेल परिसर की साफ-सफाई, महिला बन्दियों की तलाशी रूम का निरीक्षण किया गया। प्रत्येक बैरिक में मनोरंजन के लिये टी0वी0 लगी है जो चालू हालत में बतायी गयी। इस अवसर पर जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि जिन बन्दियों को अपने मुकदमें की पैरवी हेतु निःशुल्क पैनल अधिवक्ता की आवश्यकता है उनके आवेदन पत्र लिखित रूप में प्राप्त करके उनके आवेदन पत्र रजिस्टर में अंकित करके जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराये जिससे बन्दियों को उनके मुकदमें की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर सचिव द्वारा जिला कारागार में निरूद्ध बन्दियों को उनके अधिकारों एवं प्लीबारगेनिंग के सम्बन्ध में विधिक जानकारी देते हुये जागरूक किया गया। इस अवसर पर जेल विजिटर विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी एडवोकेट द्वारा किशोर बन्दियों को उनके विधिक अधिकारों एवं प्लीबारगेनिंग तथा जमानत के सम्बन्ध में विधिक जानकारी देते हुये जागरूक किया गया। उन्होने बताया कि शासन द्वारा लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल पद पर 04 अधिवक्ताओं की नियुक्ति राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार की गई है, जिन बन्दियों के पास मुकदमें की पैरवी हेतु अधिवक्ता नही है उन बन्दियों के मुकदमों की पैरवी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के पद पर चयनित अधिवक्ताओं द्वारा की जायेगी। रिंकू देवी उर्फ राधिका द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता की मांग की गई। निरीक्षण के दौरान उप जेलर द्वारा जानकारी दी गयी कि जेल में निरूद्ध अधिकांश सिद्धदोष बन्दियों की अपील हो चुकी है। डिप्टी जेलर द्वारा अवगत कराया गया कि जिला कारागार में 06 पी0एल0वी0 नियुक्त किये गये थे जिसमें से 02 बन्दी की रिहाई की जा चुकी है शेष 04 पीएलवी कार्य कर रहे है। सचिव द्वारा जेल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि 06 पीएलवी का चयन कराना सुनिश्चित करें जिससे 10 पीएलवी की संख्या सुनिश्चित हो सके। जेल निरीक्षण के दौरान जेल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिला कारागार की प्रतिदिन साफ-सफाई कराने, जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक को नियमित रूप से संचालित करते हुये अभिलेखों को दुरूस्त कराने की समुचित व्यवस्था की जाय। इस अवसर पर उप जेलर आफताब अहमद अंसारी व सुनील कुमार द्विवेदी, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल महावीर यादव आदि उपस्थित रहे।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 18 मई को होगा कैम्पस इण्टरव्यू का आयोजन

प्रतापगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य बी0बी0 सिंह ने अवगत कराया है कि सुब्रोस लिमिटेड कम्पनी नोएडा उत्तर प्रदेश में शिशिक्षु योजना के अन्तर्गत व्यवसाय फिटर, मशीनिष्ठ, इलेक्ट्रीशियन हेतु व्यवसायों के आई0टी0आई0 प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षार्थियों की आवश्यकता है। कैम्पस इण्टरव्यू का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतापगढ़ के परिसर में दिनांक 18 मई 2023 को पूर्वान्ह 11 बजे से प्रारम्भ होगा। कम्पनी में व्यवसाय के प्रशिक्षित युवा/युवतियॉ (उम्र सीमा 18-25 वर्ष) भाग लेकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षण के दौरान कम्पनी 10 हजार प्रतिमाह सभी भत्तों सहित भुगतान करेगी। सुयोग्य अभ्यार्थियों को कम्पनी अपने पे रोल में सम्मिलित करेगी। साथ ही साथ अनुवृत्ति की दर पर (लंच/डिनरस्टी स्नेक्स) 1235 रूपये प्रतिमाह पर खाना नाश्ता आदि देगी। 26 दिन की उपस्थिति पर 600 रूपये उपस्थिति भत्ता व प्रतिमाह 01 अवकाश पर 400 रूपये का अतिरिक्त भुगतान करेगी। इस कैम्पस इण्टरव्यू में आई0टी0आई0 प्रशिक्षित युवा/युवतियॉ सम्मिलित हो सकते है। विस्तृत जानकारी के लिये कैम्पस प्रभारी/संस्थान के प्रशिक्षण प्रखण्ड उर्मिला पाल से सम्पर्क करें।

प्रतिभावान दिव्यांगजन ''दिव्य कला शक्ति-2023'' के आयोजन में सम्मिलित होने के लिये अभिलेख 20 मई तक उपलब्ध करायें

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सच्चिदानन्द तिवारी ने जनपद के दिव्यांगजनों को सूचित किया है कि सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन कार्यरत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुर्नवास सशक्तीकरण तथा उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये सतत् प्रयासरत हैं। विभाग दिव्यांगजनों के अन्दर छिपी दिव्य प्रतिभा एवं कलाओं, कौशल को समाज के समक्ष उजागर करते हुये प्रोत्साहित कर रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्था वाराणसी द्वारा इन्हीं दिव्यांगजनों के लिये एक सांस्कृतिक कार्यक्रम ''दिव्य कला शक्ति-2023'' का आयोजन दिनांक 27 मई 2023 को कार्यक्रम स्थल रूद्राक्ष कन्वेशन सेन्टर वाराणसी में किया जा रहा है। उन्होने बताया है कि दिव्य कलाओं जैसे गायन, वादन, नित्य, सामूहिक गतिविधि आदि में निपुर्ण प्रतिभावान दिव्य बच्चे युवक/युवतियॉ आवश्यक अभिलेख जैसे दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड दिव्यांगता दर्शाती हुई एक फोटो के साथ कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रतापगढ़ दिनांक 20 मई 2023 तक प्राप्त करा दें।

तीन के खिलाफ मारपीट, तोड़फोड़ का मुकदमा दर्ज

प्रतापगढ़। मारपीट व तोड़फोड़ की घटना की लेकर लीलापुर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। लीलापुर थाना क्षेत्र के बोझवा निवासी इसरार के पुत्र मुहम्मद लारेब ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि ग्यारह मई की शाम लगभग सात बजे वह दरवाजे पर बैठा था। इसी बीच गांव के मो. फुरकान, मो. हासिम व मो. सूफियान वहां पहुंचे और गाली देते हुए रंजिश में उसे मारापीटा। आरोपियों ने घर में घुसकर घरेलू सामानों में भी तोड़फोड़ किया। मामले की जांच के बाद पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

महिला से छेड़छाड़, दी तहरीर

प्रतापगढ़। उदयपुर थाना अंतर्गत गांव की महिला के साथ छेड़छाड़ की घटना को लेकर पीड़िता ने मंगलवार को पुलिस को तहरीर सौंपी है। उदयपुर थाना के पूरे जीवन तिवारी रेहुआ लालगंज गांव निवासी पीड़िता चंद्रवती देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीते सोमवार की रात लगभग दो बजे वह अपने बच्चों के साथ दरवाजे पर सो रही थी। इसी बीच पूरे शुक्लन रेहुआ लालगंज निवासी संतोष पुत्र हरिकिशोर शुक्ल वहां पहुंचा। आरोप है कि वह पीड़िता के साथ जबरन छेड़खानी करने लगा। पीड़ित के शोर मचाने पर वह धमकी देते बाइक से भाग निकला। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

गंगा को शुद्ध करने के नाम पर खर्चा बहुत हुआ लेकिन दशा नहीं सुधरी

यह सभ्यता के विकास का बहुत ही विद्रूप और घिनौना चेहरा है। इसे संस्कृति की नैसर्गिक धारा में सड़ांध पैदा करने से परहेज नहीं। इसे अपने सुख और साधन चाहिए। संस्कृति और उसके मूल्य इसके लिए बेमानी हैं। इसकी नजर गंगा की अविरलता और पवित्रता पर नहीं, उसको साफ करने के नाम पर आवंटित बजट पर टिकती है। ऐसा वर्षों से होता आ रहा है। आगे भी होता रहेगा। गंगा चाहे जितनी कराहती रहे, इस सभ्य वर्ग का कोष बढ़ता रहेगा। बूंद-बूंद गंगा जल को जब तरसेगी यह धरती तब भी इस सभ्यता को शायद ही दर्द हो। यह सभ्यता और संस्कृति का युद्ध है, चलेगा ही। गंगा को शुद्ध करने के नाम पर अब तक जितने रुपए खर्च हुए हैं उनसे शायद एक नयी नदी की खुदाई हो सकती थी। लेकिन गंगा को साफ़ कौन कहे, दिन दशा बिगड़ती ही चली गयी। ऐसा नहीं है कि यह सब गंगा के साथ आज हो रहा है या केवल मैदानी इलाकों में ही हो रहा है, यह सब कुछ वहीं से शुरू हो जाता है जहां से यह निकल रही है। अभी-अभी एक ताजा रिपोर्ट हाथ लगी है। इसमें गोमुख से ही गंगा की गन्दगी की कथा है। यह रिपोर्ट बता रही है कि राष्ट्रीय नदी गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए नमामि गंगे परियोजना को लेकर केंद्र सरकार भले ही सक्रिय हो, लेकिन उत्तराखंड में धरातल पर वह गंभीरता नहीं दिखती, जिसकी दरकार है।

गोमुख से हरिद्वार तक : गंगा के मायके गोमुख से हरिद्वार तक ऐसी ही तस्वीर नुमायां होती है। 253 किमी के इस फासले में चिह्नित 135 नालों में से अभी 65 टैप होने बाकी हैं, जबकि इस क्षेत्र के शहरों, कस्बों से रोजाना निकलने वाले 146 एमएलडी (मिलियन लीटर डेली) सीवरेज में से 65 एमएलडी का निस्तारण चुनौती बना है। उस पर सिस्टम की चुस्ती देखिये कि जिन नालों को टैप किए जाने का दावा है, उनकी गंदगी अभी भी गंगा में गिर रही है। उत्तरकाशी, देवप्रयाग, श्रीनगर इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में टैप किए गए नाले अभी भी गंगा में गिर रहे हैं तो जगह-जगह ऐसे तमाम नाले हैं, जिन पर अफसरों की नजर नहीं जा रही।

गंगा एक्शन प्लान : गंगा की स्वच्छता को लेकर 1985 से शुरू हुए गंगा एक्शन प्लान के तहत उत्तराखंड में भी कसरत हुई। तब गोमुख से हरिद्वार तक 70 नाले टैप करने की कवायद हुई और यह कार्य पूर्ण भी हो गया। इस बीच 2015 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में मामला पहुंचा तो ट्रिब्यूनल ने सभी नालों को गंगा में जाने से रोकने को कदम उठाने के निर्देश दिए। इस बीच केंद्र की मौजूदा सरकार ने गंगा स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया और 2016 में अस्तित्व में आई नमामि गंगे परियोजना। प्रधानमंत्री के इस ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत उत्तराखंड में गंगा से लगे शहरों, कस्बों में नाले टैप करने और सीवरेज निस्तारण को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) पर फोकस किया गया। परियोजना के निर्माण मंडल (गंगा) ने गोमुख से हरिद्वार तक पूर्व के 70 नालों समेत कुल 135 नाले चिह्नित किए। अब 65 में से 58 में कार्य शुरू किया गया है। साथ ही 19 शहरों, कस्बों से रोजाना निकलने वाले 146.1 एमएलडी सीवरेज के निस्तारण को 11 जगह एसटीपी निर्माण का निर्णय लिया गया। बताया गया कि इनमें से कई कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि बाकी में निर्माण कार्य चल रहा है।

नालों की गंदगी सीधे गंगा में : अब थोड़ा दावों की हकीकत पर नजर दौड़ाते हैं। नमामि गंगे में दावा किया गया कि उत्तरकाशी, देवप्रयाग में सभी चिह्नित नाले टैप कर दिए गए हैं। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि उत्तरकाशी में टैप किए गए चार नालों में से तांबाखाणी, वाल्मीकि बस्ती व तिलोथ के नजदीक के नालों की गंदगी सीधे गंगा में समाहित हो रही है। इसी प्रकार देवप्रयाग में टैप दर्शाये गए चार नालों का पानी भी ओवरफ्लो होकर गंगा में गिर रहा है। कुछ ऐसा ही आलम अन्य शहरों व कस्बों का भी है। इसके अलावा बड़ी संख्या में ऐसे नाले भी हैं, जो अफसरों को नहीं दिख रहे। फिर चाहे वह उत्तरकाशी में गंगोरी से चिन्यालीसौड़ तक का क्षेत्र हो या फिर चिन्यालीसौड़ से हरिद्वार तक, सभी जगह नालों की गंदगी गंगा में जा रही है। सीवरेज निस्तारण को अभी तक एसटीपी में 79.89 एमएलडी का ही निस्तारण हो रहा है। हालांकि, इनकी क्षमता बढ़ाने व नए एसटीपी भी स्वीकृत हुए हैं, मगर ये तय समय में पूरे हो पाएंगे, इसे लेकर संदेह बना हुआ है। हालांकि, महाप्रबंधक निर्माण मंडल गंगा केके रस्तोगी कहते हैं कि सभी निर्माण कार्य मार्च 2019 तक पूरे करने को प्रयास किए जा रहे हैं।

काशी में अभी भी गिर रहे 33 नाले गंगा में: यहाँ एक और हकीकत की तरफ ध्यान दिलाना उचित लगता है। गंगा के सर्वाधिक महत्व वाली काशी नगरी की दशा पर गौर करने की जरूरत है। यहाँ अभी जब फ्रांस के राष्ट्रपति आये थे तब गिराने वाले सभी नालों को होर्डिंग लगा कर ढाका गया था। हालांकि वाराणसी से ही सांसद बने प्रधानमंत्री के लिए गंगा की सफाई अपने आप में किसी मिशन जैसा है। लेकिन हालत में बहुत सुधार नहीं दिखता। यहाँ स्वच्छ गंगा रिसर्च लेबॉटरी (संकट मोचन फाउंडेशन) के प्रेसिडेंट व बीएचयू प्रोफेसर विशंभर नाथ मिश्र बता रहे हैं कि वाराणसी में वर्तमान में 33 नाले गंगा में गिरते हैं। 350 एमएलडी रॉ सीवेज सीधे गंगा में गिरता है।

प्रयाग में 165 नाले गंगा-यमुना में प्रवाहित : तीर्थराज प्रयाग में इस समय छोटे-बड़े 165 नाले गंगा-यमुना में प्रवाहित हो रहे हैं। गंगा कार्य योजना के तहत बने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण गंदे नालों के साथ स्लॉटर हाउस से निकलने वाले खून व मांस के लोथड़े सीधे गंगा में बह रहे हैं। अटाला स्लॉटर हाउस से बहने वाले खून को सीधे यमुना में प्रवाहित होते कभी भी देखा जा सकता है। गंगा में खून और गंदे नालों का प्रवाह रोकने के लिए समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह और कौशल किशोर से चप्पलों की माला पहनकर संगमतट पर नग्न होकर प्रदर्शन करके लोगों को जागरूक किया। समाजसेवी पतविंदर सिंह ने कहा कि धर्म के नाम पर पैसा कमाने का अफसरों ने धंधा बना लिया है।

सीधे गंगा में गिर रहे नाले: कानपुर के घाटों के पास दर्जनों ऐसी अवैध बस्तियां हैं जिनसे हजारों लीटर गंदा पानी निकलकर सीधा गंगा में गिर रहा है। रानीघाट, भैरोघाट, परमट, सरसैया घाट, कालीघाट, बाबा घाट, बंगाली घाट, भगवतदास घाट, गोलाघाट, मैस्कर घाट, मनोहर नगर, बुड़िया घाट, सिद्धनाथ घाट तथा जाजमऊ जैसे गंगा बैराज से जाजमऊ तक 12 किमी. के क्षेत्र में गंगा किनारे दर्जनों बस्तियां बसी हैं। आंकड़ों को देखा जाये तो रोजाना इन बस्तियों से पांच करोड़ लीटर गंदा पानी सीवर पाइप के जरिये गंगा में गिरता है, इसका लेखा-जोखा नहीं है।

फर्रुखाबाद में ट्रीटमेंट प्लांट नहीं: फर्रुखाबाद शहर से निकलने वाले नालों का पानी सीधा गंगा में प्रवाहित हो रहा है। उन नालों पर कोई भी ट्रीटमेंट प्लांट नहीं लगाया गया है। दूसरी तरफ बड़े नालों के बाद गंगा के किनारे बसे दर्जनों गांवों की गंदगी गंगा में जा रही है। वर्तमान समय में गंगा का जल स्तर भी बहुत कम हो गया है जिस कारण उसका जल का रंग भी बदला नजर आ रहा है। ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर कई सालों से आंदोलन चलाये जा रहे हैं। बहुत से समाजसेवी आमरण अनशन पर भी बैठे हैं तो जिला प्रशासन ने उनको उठाने के लिए बड़े-बड़े वादे भी कर दिए लेकिन ट्रीटमेंट प्लांट नहीं लगाया जा सका। शहर में छपाई करने के सैंकड़ों कारखाने चल रहे हैं, उनका रंगीन केमिकल्स युक्त पानी भी गंगा के जल में विष घोल रहा है। गंगा प्रदूषण नियंत्रण विभाग के कर्मचारी जब भी कारखानों पर छापेमारी करते हैं वहां लोग अपनी-अपनी जेब गर्म करने के बाद कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। जबकि गंगा को अपनी मां के रूप में मानने वाले लोग उसके जल को पीने के बाद अपनी प्यास बुझाते हैं। जब गंगा में गिर रहे नालों को लेकर आम जनता से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि 20 वर्ष पहले जनसंख्या कम होने के साथ गंगा के जल का दोहन नहीं होता था, अब कई कार्यों में र्जल का दोहन किया जा रहा है। **अमरोहा में गंगा किनारे निर्माण:** अमरोहा में तिगरी गांव गंगा के तटबंध से सटा हुआ है और गांव में सामान्य रूप से अक्सर कुछ न कुछ निर्माण कार्य होते हैं जिनमें से अधिकांश 100 मीटर की परिधि में ही आते हैं। गंगा किनारे निर्माण पर पाबंदी होने से तिगरी के ग्रामीणों को बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों के घरों की मरम्मत में भी दिक्कत होगी। तिगरी गांव के पास तटबंध के अंदर भी अवैध रूप से निर्माण पर प्रशासन लगाम नहीं लगा सका। गंगा किनारे तिगरी से मोहरका रोड पर अवैध रूप से नमामि गंगे नाम से कलोनी का भी निर्माण किया जा रहा है। निर्माण की शुरुआत में प्लाटिंग कर भूमि को समतल किया जा रहा है।

झड़ते बालों को रोक सकता है नींबू का रस

नींबू का इस्तेमाल अलग अलग तरह से हर घर में ही किया जाता है कभी शरबत के रूप में, तो कभी सलाद, तो कभी बीमारियों को ठीक करने में। इसमें विटामिन सी और विटामिन बी काफी मात्रा में होते हैं। जिससे यह हमारे बालों से लेकर त्वचा की खूबसूरती को बढ़ाने में काफी उपयोगी सिद्ध होता है। **नींबू का रस बालों के लिए औषधि:** नींबू का रस बालों के लिए औषधि की तरह है जो कई सालों से इस्तेमाल में लाया जाता रहा है और इससे बालों की कई समस्याएं जैसे बालों का झड़ना, डैंडरफ आदि से छुटकारा मिल सकता है। इसे विश्व भर में इस्तेमाल किया जाता है और कई महिलाएं इसके असरदार होने का प्रमाण भी देती हैं। नींबू का रस आपके बालों की समस्याओं को दूर करता है और आपके बालों की सुन्दरता को बढ़ाता है। **विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंटस:** हम आपको उन तरीकों के बारे में बताने वाले हैं जिससे आप बालों को झड़ने से रोक सकती हैं। नींबू के रस में भारी मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंटस होते हैं जो आपके बालों को मजबूत बनाते हैं और झड़ने से रोकते हैं। आपको यह जानकार आश्चर्य होगा कि नींबू का रस इस्तमाल करने में कितना आसान है और इससे आपके बाल जड़ से कैसे मजबूत होते हैं। यहाँ पर हमने कुछ आजमाए हुए नुस्खों के बारे में बताया है जिससे पता चलता है कि नींबू के रस से बालों का झड़ना कैसे रूक सकता है। **ओलिव ऑयल के साथ नींबू का मिश्रण:** एक बड़ा चम्मच नींबू के रस में 2 बड़े चम्मच ओलिव ऑयल मिलाएं। इसे 40 मिनट तक रहने दें और उसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। इस घर पर किये जाने वाले उपचार को हफ्ते में एक बार करें और बालों का झड़ना रोकें। **अरंडी तेल के साथ नींबू का रस:** दो बड़े चम्मच नींबू के रस में आधा छोटा चम्मच अरंडी तेल लें। इसे बालों में अच्छी तरह से लगा लें। 30 से 35 मिनट बाद इसे शैम्पू और गुनगुने पानी से धो लें। इसे दो हफ्ते में एक बार लगाने से बालों का झड़ना रुक जाएगा। **नारियल तेल और लहसन के साथ नींबू का रस:** तीन छोटे चम्मच नारियल तेल में लहसन की एक कली को मसल कर डालें और इसे 2 बड़े चम्मच नींबू के रस में मिला दें।

सिर्फ हिल स्टेशन नहीं है शिमला, कई ऐतिहासिक विरासतें खुद में समेटा हुआ है यह शहर

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला देश के लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक है। दिल्ली और उसके आसपास के राज्यों के लिए तो यह वीकएंड का ठिकाना भी है इसलिए यहाँ हमेशा पर्यटकों का ताँता लगा रहता है। विशेषकर गमिर्यों के मौसम में तो जिसे देखो वह शिमला के लिए निकल पड़ता है और शिमला में प्रवेश से पहले वाहनों का लंबा जाम लग जाता है। हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा नगर शिमला अंग्रेजों की बनायी गयी इमारतों से भरा पड़ा है और हर प्रेमी जोड़े की यहाँ जरूर कोई ना कोई याद जुड़ी हुई है।

शिमला को 1864 में, भारत में ब्रिटिश राज की ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया गया था। ब्रिटिश राज के साथ-साथ यह ब्रिटिश भारतीय सेना के कमांडर-इन-चीफ का मुख्यालय और 1876 के बाद से पंजाब प्रान्त की भी ग्रीष्ममकालीन राजधानी थी। स्वतंत्रता के बाद, शिमला पूर्वी पंजाब राज्य की राजधानी बन गया और बाद में हिमाचल प्रदेश के गठन पर इसे राज्य की राजधानी घोषित कर दिया गया। शिमला को पहाड़ों की रानी के नाम से भी जाना जाता है। यह राज्य का प्रमुख वाणिज्यिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक केंद्र भी है। हिमालय के घने जंगलों में स्थित शिमला की जलवायु परिस्थितियों ने शहर की स्थापना के लिए अंग्रेजों को आकर्षित किया था। ग्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में शिमला ने 1914 के शिमला समझौते और 1945 के शिमला सम्मेलन सहित कई महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठकों की

मेजबानी की। स्वतंत्रता के बाद 28 रियासतों के एकीकरण के परिणामस्वरूप 1948 में हिमाचल प्रदेश राज्य अस्तित्व में आया। स्वतंत्रता के बाद भी, शिमला शहर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक केंद्र बना रहा और इसने 1972 के शिमला समझौते की मेजबानी की। शिमला शहर के प्रमुख आकर्षणों में वाइसराय लॉज, क्राइस्ट चर्च, जाखू मन्दिर, माल रोड और रिज शामिल हैं। यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल के रूप में घोषित ब्रिटिश-निर्मित कालका-शिमला रेलवे लाइन भी एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है। अपने कठोर इलाके के कारण, शिमला माउंटेन बाइकिंग रेस एमटीबी हिमालय की मेजबानी करता है, जो सर्वप्रथम 2005 में शुरू हुआ और दक्षिण एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा आयोजन माना जाता है। शिमला में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक आइस स्केटिंग रिंक भी है। एक प्रमुख पर्यटन केंद्र होने के अलावा, यह शहर कई कॉलेजों और शोध संस्थानों के साथ एक शैक्षिक केंद्र भी है। शिमला में घूमने लायक कई जगहें हैं। मॉल और रिज जैसे स्थानीय हैंगआउट शहर के केंद्र में हैं। शहर की अधिकांश धरोहर इमारतें अपने मूल 'टुडोरबथन' वास्तुकला में संरक्षित हैं। पूर्व वायसेग्रल लॉज, अब भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान है और वाइल्डफ्लावर हॉल, अब एक प्रमुख होटल है। लक्कड़ बाजार, जो रिज से आगे स्थित है, स्मृति चिन्हों और लकड़ी से बने शिल्पों के लिए प्रसिद्ध है। मुख्य शहर से 55 किलोमीटर (34.2 मील) की दूरी पर सतलुज नदी के तट पर तत्तापानी नामक गर्म सल्फर चश्मे स्थित हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे औषधीय महत्त्व रखते हैं। शिमला में कई मंदिर हैं और यहाँ अक्सर आसपास के ग्रामों और शहरों से भक्त दर्शन करने आते है। काली देवी को समर्पित एक मंदिर मॉल के पास ही स्थित है। हनुमानजी को समर्पित जाखू मंदिर शिमला में सबसे उच्चतम चोटी पर स्थित है। शहर से लगभग 10 किलोमीटर शिमला-कालका राजमार्ग पर संकट मोचन नामक एक और हनुमान जी का मंदिर स्थित है, जो इसके आसपास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले कई बंदरों के लिए प्रसिद्ध है। यह है। नज़दीक ही स्थित तारा देवी का मंदिर वहां आयोजित होने वाले अनुष्ठान और त्योहारों के लिए जाना जाता है। अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों में बस टर्मिनल के पास स्थित एक गुरुद्वारा और रिज पर स्थित क्राइस्ट चर्च शामिल हैं। शिमला में निर्मित कला और शिल्प उत्पादों की पर्यटकों में अत्यधिक मांग रहती है। यहाँ उत्कृष्ट आभूषणों, कढ़ाई वाले शॉल और कपड़ों से लेकर चमड़े की वस्तुओं और मूतिर्यां तक कई चीज़ें बनाई जाती हैं। शिमला के आस पास चीड़ और देवदार के पेड़ भी बहुतायत में मिलते हैं। शिमला की सभी प्रमुख इमारतों में इन पेड़ों की लकड़ी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

स्वाद भी बढ़ाता है पुदीना और सेहत का भी ख्याल रखता है

पुदीने का प्रयोग अक्सर चटनी बनाने में किया जाता है, तो कभी इसे गनने का रस निकालते समय प्रयोग किया जाता है। जिस भी व्यजंन में पुदीने का प्रयोग किया जाता है, उसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। लेकिन पुदीना सिर्फ आपके भोजन का स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि इसके कारण आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ ही होता है। यहां तक कि बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं में तो आप इसे बतौर औषधि भी इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं पुदीना से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में- **पेट दर्द करे छूमंतर:** अगर आपका पाचन तंत्र सही तरह से काम नहीं कर रहा और पेट अच्छी तरह साफ न होने के कारण आपको पेट में दर्द हो रहा है तो आप पुदीने का प्रयोग करें। पेट दर्द को छूमंतर करने के लिए आप पुदीने को पीस कर पानी में मिला लें और फिर उस पानी को छान कर पीएं। यह आपको पेट दर्द से तो राहत दिलाएगा ही, साथ ही इससे आपकी पाचन शक्ति भी बेहतर होगी। **सांसों की बदबू से छुटकारा:** कुछ लोगों को अक्सर सांसों से आने वाली दुर्गंध की परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में वे किसी के भी सामने बात करने से हिचकते हैं। अगर आपको भी इस समस्या से दो-चार होना पड़ता है तो आप पुदीने की पत्तियों की मदद लें। इसके इस्तेमाल के लिए आप भोजन करने के बाद पुदीने की कुछ पत्तियों को चबाएं।

नवजात बच्चों को जरूर कराएं ये एक्सरसाइज शरीर के साथ दिमाग भी रहेगा स्वस्थ

शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी होती है। इसीलिए हर उम्र के लोगों को किसी ना किसी तरह से फिजिकली एक्टिविटी करते रहने की सलाह दी जाती है। वहीं कुछ एक एक्सरसाइज नवजात शिशु को भी करवाई जाती हैं। बच्चे के विकास में कुछ प्रभावी तकनीकें सहायता और फ्लेक्सिबिलिटी में सुधार लाने का काम कर सकती हैं। नवजात बच्चे को एक्सरसाइज करवाने से बच्चे की हड्डियां, जोड़ और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसके साथ ही बच्चे के मोटर स्किल्स को भी मदद मिलती है।

नेशनल हेल्थ सर्विस के मुताबिक बच्चे को पूरा दिन एक्टिव रखने का प्रयास करना चाहिए। आप बच्चे को हर रोज कई तरीकों से एक्टिव रख सकते हैं। उदाहरण के तौर पर घुटनों के बल चलना। यदि बच्चे ने अपने उम्र के हिसाब से अभी तक चलना शुरू नहीं किया है तो आप अपने बच्चे को पुशिंग, उसके सिर का हिलाने, पुलिंग, बॉडी और हाथ-पैरों को स्ट्रेच आदि कुछ एक्टिविटीज करवानी चाहिए। जब बच्चा जागा हुआ हो तो उसे दिनभर में करीब आधे घंटे के लिए टमी टाइम जरूर करवाएं। जब बेबी खुद से मूव करने लगे तो जितना हो सके उतना ज्यादा से ज्यादा खेलने दें और एक्टिव रहने दें। नवजात बच्चे से लेकर 1 साल तक के बच्चे को सुपरवाईज्ड फ्लोर प्ले जरूर करवाना चाहिए। बच्चे को

एक घंटे से अधिक देर तक इनएक्टिव नहीं रखना चाहिए। बता दें कि 1 से 5 साल तक के बच्चों को पूरे दिन में कम से कम 3 घंटे के लिए फिजिकल रूप से एक्टिव रहना चाहिए। वहीं 5 से 17 साल के बच्चों कि पूरे दिन में कम से कम 1 घंटे मॉडरेट से कठिन फिजिकल एक्टिविटीज करनी चाहिए। वहीं सप्ताह में कम से कम 3 दिन ऐसी एक्टिविटीज में हिस्सा जरूर लेना चाहिए, जिससे कि उनकी मांसपेशियां और हड्डियां मजबूत हों। कई पैरेंट्स अपने बच्चों को कोलिक पेन, कब्ज या गैस आदि से राहत दिलाने के लिए बच्चे के पैरों को साइकिल की तरह चलाते हैं। ये एक्सरसाइज घुटनों, कूल्हों, बच्चे के जोड़ों और पेट की मांसपेशियों के लिए काफी अच्छी रहती है। इससे बच्चों की टांगों में लचीलापन आता है। इसके लिए सबसे पहले आप बच्चे को पीठ के लिए लिटा दें। फिर बच्चे की टांगों को एक-एक कर के अपने हाथों से ऊपर-नीचे करें। यह एक्सरसाइज बच्चों को भी बहुत पसंद होती है। यदि आपके बेबी ने घुटने के बल चलना शुरू कर दिया है तो क्लाइंब माउंटेन एक्सरसाइज उसके लिए बेहतरीन रहेगी। बेबी को यह एक्सरसाइज कराने के लिए बेड पर कुछ तकिए रख दें। फिर बेबी को उन तकिए के ऊपर से चढ़ कर आने के लिए कहें। यह एक्सरसाइज बच्चों के हाथों-पैरों के जोड़ों को मजबूत बनाने में मदद करती है।

बाल विवाह के पक्ष में होना यानी बच्चों के खिलाफ होना

'जब दो वयस्क अपनी मर्जी से विवाह करना चाहते हैं, अपना रास्ता चुनना चाहते हैं, अपना लक्ष्य तय करते हैं, तो उन्हें यह करने का अधिकार है। यदि कोई वयस्क प्रेम और विवाह के बारे में कोई निर्णय लेता है तो सम्मान के नाम पर उसके साथ की जाने वाली किसी भी तरह की यंत्रणा, यातना या दुर्भावनापूर्ण व्यवहार गैर-कानूनी है और इसे स्वीकार्यता नहीं दी जा सकती है।' यह इंतिखाब और पसंद के चुनाव के अधिकार को हानि पंहुचाने जैसा है। जब वर्ग सम्मान के नाम पर पसंद के विकल्प को चुनने के अधिकार को कुचला जाता है और व्यक्ति के भौतिक स्वरुप के साथ अपमानजनक व्यवहार होता है, तब समाज की दिमाग और हड्डियों पर इसका कंपकपा देने वाला प्रभाव पड़ता है। सवाल यह है कि क्या किसी जूनून या आवेश में वरिष्ठ परिजनों को ऐसे युवाओं के जीवन को खत्म कर देने का आदेश देने पर स्वीकृति है, जिन्होंने अपने बड़े बुजुर्गों र्या पारंपरिक तरीकों के विरुद्ध जाकर विवाह किया है। इसका जवाब है 'नहीं'! हमारा संविधान व्यक्ति को 'चयन और पसंद' का अधिकार देता है। स्वतंत्रता के स्वतंत्र निर्वहन का मार्ग बनाने के लिए सामंतवादी नज़रिए और व्यवहार को अब विस्मृत कर दिया जाना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में साफ उल्लेख किया है कि वयस्क व्यक्ति को अपनी पसंद और हित का निर्णय लेने का अधिकार है, परन्तु समाज का वर्गवादी और नियंत्रणवादी चरित्र उस अवस्था तक व्यक्ति को पंहुचने देना ही नहीं चाहता है। समाज का एक तबका चाहता है कि विवाह का निर्णय और इस व्यवहार व्यक्ति के वयस्क होने से पहले ही कर दिया जाए ताकि 'परिवार, पुरुष और सत्ता संचालक' हर लड़के और लड़की के जीवन के बारे में निर्णय ले सकें। लेकिन समाज अब भी बच्चों और युवाओं को स्वतंत्रता के साथ परिपक्व होने देखने नहीं चाहता है, क्योंकि इससे वे सवाल करने और सही-गलत परम्पराओं का विश्लेषण करने में सक्षम हो जाते हैं।पुरुष अपने पुरुषत्व बल की सत्ता में आ रहे उतार-चढ़ावों को देख बहुत घबराया हुआ है। इस समाज को बेहतर, सामान और न्यायमूलक बनाने के लिए हो रही कोशिशों से उसके अपराधों और निरंकुशता पर नियंत्रण लग रहा है, तो वह बहुत बेचैन है। उसकी पूंजीवादी, उपनिवेशवादी और मर्दवादी सत्ता को चुनौती मिल रही है। ऐसे में उसे कई बार नैतिक और अनैतिक, मानवीय और अमानवीय, कानूनों और गैरकानूनी पक्ष के बीच के अंतर का भान ही नहीं रह जाता है। मध्यप्रदेश की विधानसभा के सदस्य यानी चुने हुए विधायक गोपाल परमार (आगर मालवा) ने अपनी वाणी से इन बिन्दुओं को सच साबित किया है। 5 मई 2018 को आजीविका और कौशल विकास दिवस पर अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने भी अपने 'मन की बात' कह डाली। बहरहाल, इस बात का आयोजन की कथावस्तु से कोई सरोकार नहीं था, पर बैचेनी फुदक कर बाहर आ गयी। गोपाल परमार ने कहा कि 'गांव में पहले संबंध बन जाते थे, जिससे उनकी मानसिकता बन जाती थी कि मेरा संबंध हो चुका है या शादी हो चुकी है, इसलिए वे गलत कदम उठाने से बच जाते थे। पहले देखते थे कि समाज में शादी होती थी हमारे बड़े बूढ़े ही संबंध तय कर लेते थे। भले ही बचपन में कर लेते थे, लेकिन वह संबंध ज्यादा टिके रहते थे, ज्यादा मजबूत थे। यह जबसे 18 साल की बीमारी सरकार ने चालू की है, इसमें बहुत सारी लड़कियां घर से भागने लग गई हैं। लव जेहाद का बुखार चालू हो गया है। हमें घर में ध्यान ही नहीं है कि हमारी छोरी क्या कर रही है, हमें कह कर जा रही है कि पढ़ने के लिए कोचिंग क्लास जा रही हूं, और वह किसी भी लड़के के साथ भाग गयी तो बहुत सारे शरारती लोग आते हैं। शातिर लोग आते हैं हमारी माता बहन लिहाज़ पालने वाली होती हैं, इनके साथ कोई उपकार कर देता है तो उनका बहुत सारा अहसान मानती हैं। अगर वह किसी लड़के के साथ भाग गयी तो आपकी इज्ज़त के साथ खिलवाड़ हो जाएगा, इसलिए

आपकी जिम्मेदारी यह पता लगाने की बनती है कि लड़की गई तो कहाँ गयी है? मैंने कानूनी उम्र में पंहुचने से पहले ही अपने तीनों बच्चों का विवाह कर दिया था, अब वे खुश हैं। वे मानते हैं कि जैसे पशुओं को पता होता है कि शाम को लौटकर कहां जाना है, वैसे ही शादी के बाद बच्चों को पता होता है कि कहाँ लौटना है! मुसलमानों में कुछ गुंडा तत्व होते हैं, जो नाम और पहचान छिपा कर लड़कियों को प्रभावित कर लेते हैं। यदि कम उम्र में शादी कर दी जाए, तो लव जेहाद से उन्हें बचाया जा सकता है। ये किसी एक व्यक्ति के विचार नहीं बल्कि एक विभाजनकारी विचारधारा की प्रतीक वाक्य हैं। इस विचारधारा में स्त्रियों, बच्चों, क़ानून, समाज में बराबरी, सहिष्णुता और सुरक्षा के प्रति कोई सम्मान नहीं है। याद रखियेगा कि बाल विवाह केवल लड़कियों के जीवन को संकुचित और दुरूह नहीं बनता है; यह लड़कों के जीवन को भी उतना ही प्रताड़ित भी करता है।भारत का संविधान समता, शोषण के मुक्ति, न्याय और जीवन जीने का मौलिक अधिकार हर व्यक्ति को देता है; बच्चों के संदर्भ में ये अधिकार ज्यादा व्यापक और गहरे होते हैं। बच्चों के सन्दर्भ में जरूरत होती है कि उन्हें पनपने, सोचने, परिपक्व होने और समग्रता में विकसित होने का अवसर दिया जाए। बाल विवाह इन सभी अवसरों की निर्मम हत्या कर देता है। बाल विवाह शिशु मृत्यु, मातृत्व मृत्यु, यौन हिंसा-उत्पीडन और गरीबी का कारण बनता है। जब कोई बाल विवाह का संस्कृति और परम्परा के नाम पर समर्थन करता है, तब एक बार फिर यह अहसास होता है कि समाज अब भी बच्चों के बेहतर हितक में व्यवहार नहीं करता है।सभ्य समाज में बाल विवाह को मानव विकास के लिए एक नकारात्मक सूचक और बड़ी चुनौती के रूप में स्वीकार किया गया है। इससे बच्चे पूरी शिक्षा हासिल करने से वंचित रह जाते हैं। उन्हें कौशल विकास के अवसर नहीं मिल पाते हैं। विवाह से उपजी जिम्मेदारियां उन्हें पनपने और अपने जीवन के बारे में सपने देखने से अधिकार से वंचित कर देती हैं। इन अवस्थाओं में बच्चों, ख़ास तौर पर लड़कियों का यौन शोषण भी होता है। कम उम्र के विवाह का परिणाम होता है कम उम्र में गर्भावस्था और कम उम्र में गर्भावस्था का परिणाम होता है लड़की के मरने की ज्यादा आशंकाएं, बच्चे के कुपोषित, विकलांग होने और शिशु मृत्यु की बहुत ज्यादा आशंकाएं। भारत में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (चार) के निष्कर्ष बताते हैं कि बिहार में 39।1 प्रतिशत विवाह कानूनी उम्र से पहले ही हो जाते हैं। आँध्रप्रदेश में 32।6 प्रतिशत, गुजरात में 24।9 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 30 प्रतिशत, राजस्थान में 35।4 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 40।7 प्रतिशत और समग्र भारत में 26।8 प्रतिशत विवाह बाल विवाह होते हैं। भारत में स्वतंत्रता के 59 साल बाद बाल विवाह को रोकने वाला क़ानून बन पाया यानी विकास में यह सबसे निचले क्रम का विषय रहा। बच्चों पर नियंत्रण रखने वाले सिद्धांत को सामाजिक-राजनीतिक मान्यता भी मिली हुई है इस तरह का बयान देने और समुदाय को उकसाने के बादे भी सम्बंधित व्यक्ति पर प्रति कोई कार्यवाही नहीं हुई।

धोना ने अपनी शर्ट पर ऑटोग्राफ लिए जाने के बाद खुद गावस्कर ने बताई उस लम्हे की सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में इस बार का एक ऐतिहासिक लम्हा रहा जब दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने चेपॉक स्टेडियम में दौड़कर महेंद्र सिंह धोनी को ढूंढा और उनका ऑटोग्राफ अपनी पहनी हुई शर्ट पर लिया। ये पल इतना ऐतिहासिक और भावनात्मक था कि इसे सोशल मीडिया पर जमकर शेयर किया गया है।

इस घटना के बाद खुद भारतीय टीम के दिग्गज और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने खुलासा किया है कि उनके लिए भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफलतम कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का ऑटोग्राफ लेने का लम्हा उनके लिए बेहद भावनात्मक रहा था। उन्होंने कहा कि मैंने स्पेशल मेमोरी बनाने के उद्देश्य से ये कदम उठाया था, जो बेहद ही विशेष और भावनात्मक रहा था।

गौरतलब है कि सुनील गावस्कर ने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा इस सीजन के अंतिम मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैदान में खेलने उतरी थी मगर इस मुकाबले में चेन्नई को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले के बाद ही चेन्नई की टीम ने पूरे स्टेडियम में लैप ऑफ ऑनर दिए जाने का फैसला किया था। इसी बीच सुनील गावस्कर ने भी महेंद्र सिंह धोनी से अपनी शर्ट पर ही ऑटोग्राफ लिया था। गावस्कर के हवाले से विज्ञप्ति में कहा, ''जब मुझे पता चला कि चेन्नई सुपरकिंग्स और महेंद्र सिंह धोनी चेपक में लैप ऑफ ऑनर लगाने वाले हैं तो मैंने विशेष स्मृति तैयार करने का फैसला किया। यही कारण है कि मैं महेंद्र सिंह धोनी का ऑटोग्राफ लेने के लिए उनकी ओर भागा। यह चेपक में उसका आखिरी घरेलू मैच था।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं माही (धोनी) के पास गया और मैंने जो शर्ट पहनी थी उस पर उससे ऑटोग्राफ देने का आग्रह किया। काफी अच्छा लगा कि उसने इसे स्वीकार किया। यह मेरे लिए काफी विशेष लम्हा था क्योंकि इस खिलाड़ी ने भारतीय क्रिकेट में बेजोड़ योगदान दिया है।'' सुपरकिंग्स की टीम अभी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर चल रही है और उसका आईपीएल प्ले ऑफ में जगह बनाने का दावा मजबूत है। लेकिन अभी यह तय नहीं है कि क्या धोनी की अगुआई वाली टीम चेपक लौटेगी जिसे क्वालीफायर एक और एलिमिनेटर की मेजबानी करनी है।

पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने कहा, ''बेशक अगर सुपरकिंग्स प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करते हैं। तो उसे यहां खेलने का मौका मिलेगा लेकिन मैंने इस लम्हे को विशेष बनाने का फैसला किया। मैं भाग्यशाली था कि कैमरा यूनिट में किसी के पास मार्कर पेन था। इसलिए मैं उस व्यक्ति का भी आभारी हूं।'' गावस्कर ने इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट इतिहास के दो विशेष लम्हों को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''कपिल देव का 1983 विश्व कप ट्रॉफी उठाना और महेंद्र सिंह धोनी का 2011 विश्व कप फाइनल में विजयी छक्का जड़ना दो क्रिकेट लम्हें हैं जिन्हें मैं मरने से पहले देखना पसंद करूंगा।

मोहम्मद सिराज ने आरसीबी के साथियों को घर पर दी दावत

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने नवनिर्मित घर पर अपनी टीम के साथियों को बुलाया। इस दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार बल्लेबाज और कप्तान फाफ डु प्लेसिस उनके घर गए। सिराज के घर पहुंचे टीम के सभी खिलाड़ियों का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

मोहम्मद सिराज वर्तमान में दुनिया के शानदार गेंदबाज है। एक दिवसीय रैंकिंग में भी मोहम्मद सिराज शीर्ष पर पहुंचने में कामयाब रहे थे। इस शानदार उपलब्धियों वाले गेंदबाज ने अपनी टीम को अपने घर पर आने का न्यौता दिया जिसे सभी टीम के सदस्यों ने सहर्ष स्वीकार किया। सिराज के घर विराट कोहली, टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसिस, केदार जाधव, तेज़ गेंदबाज़ वेन पार्नेल भी दिखाई दिए है। मोहम्मद सिराज के घर पहुंचने के दौरान विराट कोहली व्हाइट टीशर्ट, ब्लैक जींस और ब्लैक जैकेट पहने दिखाई दिए।

गौरतलब है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 17 मई को हैदराबाद में ही मुकाबला खेलना है। इस मैच को लेकर टीम काफी उत्साहित है। इस मैच से पहले जब पूरी टीम सिराज के शहर में मौजूद थी तो उन्होंने पूरी टीम को अपने घर आने का न्यौता दिया था। इस दौरान

टीम के सभी खिलाड़ियों ने सिराज के घर पर काफी अच्छा समय बिताया। वहीं वायरल हो रहे वीडियो में साफ दिख रहा है कि सभी खिलाड़ियों ने सिराज के घर पर काफी मस्कती की है। इस वीडियो से भी साफ है कि टीम के खिलाड़ियों में अच्छी बॉन्डिंग है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम का अगला मुकाबला 17 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के होमग्राउंड पर होगा। वर्तमान में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर पांचवे पायदान पर है। ऐसे में प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए उसे अपना अगला मुकाबला जीतना बेहद जरुरी है। सिर्फ सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ही नहीं बल्कि इसके अगला मुकाबला यानी 21 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाला मुकाबला जीतना भी टीम के लिए बेहद जरुरी है। हालांकि दोनों मुकाबलों में जीत हासिल करने के बाद भी बैंगलोर की टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेगी या नहीं ये पक्का नहीं है। दरअसल लखनऊ सुपर जायंट्स, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के प्रदर्शन के आधार पर भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम की आगे की राह निर्भर करेगी।

मोहम्मद शमी को नहीं मिल रहा खाना, खिलाड़ी ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के बाद किया हैरतअंगेज खुलासा

नई दिल्ली। किसी भी खेल के खिलाड़ी के लिए जरुरी है कि वो शानदार डाइट ले और अपने खाने को अच्छा रखे ताकी उसके खेल पर कोई आंच ना आए। मगर इन दिनों गुजरात टाइटंस की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे तेज गेंदबाजी मोहम्मद शमी खाने को लेकर खुश नहीं है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 15 मई को खेले गए मुकाबले में मोहम्मद शमी ने शानदार गेंदबाजी की और हैदराबाद के 4 बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया। इस बेहद जबरदस्त प्रदर्शन की बदौलत टीम को जीत हासिल करने में सफलता मिली। मोहम्मद शमी ने इस मुकाबले के दौरान चार ओवर में 20 रन दिए और चार विकेट झटके।

इस मैच के बाद पोस्ट प्रेजेंटेशन सेरेमनी में गुजरात को मिली शानदार जीत के बाद रवि शास्त्री ने मोहम्मद शमी से बातचीत की। इस दौरान मोहम्मद शमी से शास्त्री ने शानदार सवाल किया जिसका शमी ने भी हंसते हुए बेहतरीन जवाब दिया। मोहम्मद शमी के इस जवाब से उन्होंने पूरे प्रेजेंटेश की महफिल लूट ली।

दरअसल मैच में पोस्ट प्रेजेंटेशन सेरेमनी में रवि शास्त्री ने मोहम्मद शमी से पूछा कि वो खाने में क्या खाते है? आद हर दिन और भी मजबूत होते जा रहे हैं। बीते डेढ़ महीने में जहां तापमान में बढ़ोतरी हुई है वहीं

आपके दौड़ने की गति और तेज होती जा रहा है। इसके पीछे कारण क्या है।

इस सवाल का जवाब में मोहम्मद शमी ने काफी मजाकिया अंदाज में दिया। मोहम्मद शमी ने कहा कि मैं कई दिनों से गुजरात में हूं। मेरा खाना नहीं मिलेना ना मगर मैं गुजराती खाने का मजा ले रहा हूं। मोहम्मद शमी ने चेहरे पर मुस्कान के साथ जिस अंदाज में ये जवाब दिया उसने पूरी महफिल को काफी गदगद कर दिया। शमी का ये जवाब लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। यहां तक की खुद रवि शास्त्री भी इस जवाब के बाद अपने आप को मुस्कुराने से नहीं रोक सके। मोहम्मद शमी ने कहा कि वो अपनी ताकत पर फोकस कर रहे है। उन्होंने कहा कि मैं अच्छे एरिया में गेंदबाजी करने की कोशिश करता हूं। बता दें कि मोहम्मद शमी इस बार इंडियन प्रीमियर लीग में दमदार प्रदर्शन कर रहे है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शमी ने जैसे ही चार विकेट हासिल किए वो पर्पल कैप पर भी कब्जा जमा बैठे। मोहम्मद शमी ने इस सीजन में 13 मैचों में 16.70 की औसत से 23 विकेट चटकाए है। बता दें कि मोहम्मद शमी के बाद इस लिस्ट में गुजरात के ही खिलाड़ी राशिद खान का नाम है जो 23 विकेट चटका चुके है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-सलखन, विकास खण्ड-राबर्ट्सगंज, जनपद-सोनभद्र

पत्रांक/मेमो/टेण्डर सूचना/2023-2024 **दिनांक-16/05/2023**

अल्पकालीन निविदा/ कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सलखन में स्थित अस्थाई गौवंश आश्रम स्थल भठवा टोला में भूसा/ चारा व अन्य पशुओं की सामग्री आपूर्ति करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 17/05/2023 से 23/05/2023 तक ग्राम पंचायत कार्यालय सलखन पर शीलबन्द निविदा जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 24-05-2023 को समय 12:00 बजे तक समिति, टेंडर दाताओं जो उपस्थित रहना चाहे के समक्ष खोला जायेगा।

नियम व शर्तें :-

(1) निविदा से सम्बन्धित प्रतिबन्ध व शर्तें ग्रा.पं. कार्यालय पर उपलब्ध है।

ग्राम प्रधान

ग्राम पंचायत अधिकारी

सम्पादकीय

पाकिस्तान में अस्थिरता

इस्लामाबाद हाई कोर्ट से दो हफ्ते की जमानत और 17 मई तक गिरफ्तारी से सुरक्षा पाकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भले ही थोड़े समय के लिए राहत की सांस ली हो, लेकिन इस पूरे प्रकरण ने पाकिस्तान में जिस तरह के हालात पैदा कर दिए हैं, उनसे उसका तुरंत निकलना मुश्किल दिख रहा है। बेशक, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल दखल देकर हालात को संभालने की एक कोशिश की। गुरुवार को उसने हाईकोर्ट परिसर से हुई इमरान खान की गिरफ्तारी को अवैध घोषित कर दिया। अगले दिन उन्हें इस्लामाबाद हाई कोर्ट से बेल मिल गई। लेकिन इस दौरान आ रही खबरें बताती रहीं कि हालात किस कदर विस्फोटक बने हुए हैं। सरकार में शामिल पीएमएल (एन) की सीनियर वाइस प्रेजिडेंट और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम शरीफ ने न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत और खतरनाक बताया बल्कि फैसला देने वाले चीफ जस्टिस पर सीधा कॉमेंट करते हुए कहा कि बेहतर होगा वह अपने पद से इस्तीफा देकर इमरान खान की पार्टी में शामिल हो जाएं। इससे स्पष्ट है कि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार इमरान को किसी भी तरह की रियायत देने के मूड में नहीं है। वहां की सेना भी यही चाहती है। मगर देश के आम लोगों के बीच इमरान खान की लोकप्रियता बनी हुई है। इसी वजह से उनकी गिरफ्तारी के बाद देश के कई इलाकों में प्रदर्शन हुए, जो बेकाबू भी हो गए। ऐसे माहौल में जो संभावनाएं उभरती हैं, वे डराने वाली हैं। चूंकि तीनों में से कोई भी पक्ष झुकने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए टकराव बढ़ने की आशंका है। न्यायपालिका के दोफाड़ होने की बात पहले से कही जा रही है। मौजूदा चीफ जस्टिस पर मरियम शरीफ की टिप्पणी ने एक तरह से उसकी पुष्टि कर दी। अगर सेना भी इमरान खान के पक्ष और विरोध वाले दो गुटों में बंट गई तो क्या होगा? यह कोई दूर की कौड़ी नहीं है। पाकिस्तान की सेना में पंजाब प्रांत के लोग अच्छी संख्या में हैं। इमरान की गिरफ्तारी के बाद पंजाब प्रांत में जिस तरह से लोग सेना मुख्यालय में घुस गए, वह कोई छोटी बात नहीं है। ऐसी घटनाएं पाकिस्तान में पहले नहीं देखी गईं। इससे जहां पाकिस्तान के लोगों के मन में सेना की इज्जत कम होने के संकेत मिलते हैं वहीं, यह सवाल भी उठता है कि क्या सेना के भी एक हिस्से की मिलीभगत के बगैर ऐसी घटनाएं हो सकती थीं। कुछ सैन्य अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई इस संदेह को बल प्रदान करती है। ऐसे में बड़ा डर यह है कि कहीं पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात न बन जाएं। कहने की जरूरत नहीं कि इस परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी देश का ऐसी किसी स्थिति में फंसना भारत के लिए भी गंभीर चिंता की बात होगी।

मोदी के शासन में तेजी से प्रगति की उड़ान भर रहा है भारतीय विमानन क्षेत्र

प्राचीन भारत का इतिहास गवाही दे रहा है कि लगभग 500 वर्ष पूर्व भी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वैश्विक स्तर पर लगभग 25 प्रतिशत का योगदान था एवं विदेशी व्यापार में भी भारत विश्व में प्रथम स्थान पर था। परंतु, अरब आक्रांताओं एवं ब्रिटेन के शासन काल में भारत की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई एवं राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करते समय तक यह रसातल तक पहुंच चुकी थी। वर्ष 1947 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने पुनः सम्भलना शुरू किया एवं वर्ष 2014 के बाद से तो भारत ने आर्थिक विकास के मामले में तेज रफ्तार पकड़ ली है।

भारत में प्राचीन काल में अधिकतर व्यापार समुद्रीय मार्ग के माध्यम से होता रहा है। 1000 वर्ष पूर्व भी भारत का समुद्री मार्ग विकसित अवस्था में था एवं यह दक्षिणी अफ्रीका एवं यूरोप के देशों के साथ जुड़ा हुआ था। साथ ही, लगभग 500 वर्ष पूर्व भारत में जी.टी. रोड का निर्माण हो चुका था, अतः देश में समुद्री एवं सड़क मार्ग का विकास शताब्दियों पूर्व होता रहा है। परंतु, हाल ही के समय में भारत ने आधारभूत संरचना का विकास करने की जो रफ्तार पकड़ी है वह पूर्व के वर्षों में दिखाई नहीं देती हैं। वर्ष 2013-14 तक भारत में लगभग 75,000 किलोमीटर का सड़क मार्ग विकसित हो पाया था जो आज बढ़कर 150,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है। भारत में प्रतिदिन लगभग 25 किलोमीटर से अधिक की सड़कें बनाई जा रही है। सड़कों की गुणवत्ता पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है, आवश्यकता पड़ने पर कुछ सड़क राजमार्ग पर तो हवाई जहाज को भी उतारा जा सकता है।

इसी प्रकार, हवाई मार्ग को विकसित करने का कार्य हालांकि राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के पूर्व ही प्रारम्भ हो चुका था। एयर इंडिया कम्पनी के विमान, कोलकत्ता, मुंबई, दिल्ली के साथ ही इंदौर एवं ग्वालियर जैसे शहरों की ओर भी उड़ान भरते थे। परंतु, वर्ष 2014 के पूर्व के लगभग 50-60 वर्षों में देश में आधारभूत संरचना का विकास करने पर उतना ध्यान नहीं दिया गया, जितना पिछले 9 वर्षों के दौरान दिया गया है। इसी कारण से अब भारतीय नागरिकों की आकांक्षाएं भी बढ़ती जा रही हैं एवं कई छोटे-छोटे नगरों के नागरिक भी हवाई जहाज से यात्रा करने को लालायित हैं। हाल ही के वर्षों में नागरिक विमानन का तो एक तरह से लोकतांत्रीयकरण हो गया है क्योंकि पूर्व के खंडकाल में केवल अमीर वर्ग के नागरिक ही हवाई जहाज से यात्रा के बारे में सोच सकते थे परंतु अब तो मध्यमवर्गीय एवं गरीब वर्ग के नागरिक भी हवाई जहाज से यात्रा करने की स्थिति में आ चुके हैं।

वर्ष 2013-14 में 6 करोड़ नागरिकों ने हवाई यात्रा की थी जब कि हाल ही में समाप्त वर्ष में 14.40 करोड़ नागरिकों ने हवाई यात्रा की है। वर्तमान में रेलवे के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी ए.सी. क्लास से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 18.50 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष है। नागरिक विमानन क्षेत्र प्रतिवर्ष 10.3 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है जबकि रेल्वे की विकास दर 5.6 प्रतिशत प्रतिवर्ष है। इस प्रकार अगले 5 या 6 वर्षों में हवाई यात्रा करने वाले नागरिकों की संख्या रेलवे के प्रथम एवं द्वितीय ए.सी. श्रेणी के यात्रियों की संख्या से अधिक हो जाने की पूरी सम्भावना दिखाई देती है। वर्ष 2013-14 में देश में 400 हवाई जहाज थे जिनके संख्या आज बढ़कर 700 हवाई जहाज

तक पहुंच गई है। राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के उपरांत वर्ष 2013-14 तक देश में 74 एयरपोर्ट विकसित किए जा सके थे जबकि पिछले 9 वर्षों के दौरान देश में 74 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाकर आज 148 एयरपोर्ट देश में कार्यरत हैं। साथ ही, आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान देश में कुल एयरपोर्ट की संख्या को 200 तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आज देश के नागरिक न्यूनतम सरकारी नियंत्रण के साथ उच्च स्तर का प्रशासन चाहते हैं। जिसे कि वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है। विमानन क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों को इसी संदर्भ में पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई है। चाहे वह ग्राहकों से किराया वसूल करने की प्रक्रिया के सम्बंध में हो अथवा विभिन नगरों के बीच विमान की सुविधा उपलब्ध कराने का क्षेत्र हो, सरकार का कोई भी दखल़ इन कम्पनियों के निर्णयों पर नहीं रहता है। आज निजी क्षेत्र की भारतीय विमान कम्पनियां केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। अभी हाल ही में सम्पन्न किए गए आपरेशन गंगा के अंतर्गत यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को वहां से सफलतापूर्वक निकालकर भारत में वापस लाने में देश के रक्षा विभाग को निजी क्षेत्र की विमानन कम्पनियों ने भी सहयोग किया था। इसी प्रकार एक बार पुनः आपरेशन कावेरी के अंतर्गत सूडान में फंसे भारतीय नागरिकों को सफलतापूर्वक भारत में लाया गया है।

अभी हाल ही में टाटा समूह की एयर इंडिया कम्पनी द्वारा 250 विमान एयरबस कम्पनी से एवं 220 विमान बोइंग कम्पनी से खरीदे जा रहे हैं। यह पूरे विश्व में ही आज तक का सबसे बड़ा विमान खरीदी सौदा माना जा रहा है। आज भारत में 14.4 करोड़ नागरिक देश के विभिन भागों की हवाई यात्रा करते हैं एवं 6 करोड़ नागरिक विश्व के अन्य देशों की हवाई यात्रा करते हैं। इस प्रकार, कुल मिलाकर 20.4 करोड़ नागरिक प्रतिवर्ष हवाई यात्रा कर रहे हैं। अगले 5 वर्षों के दौरान इस संख्या को 40 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जब देश में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में तेज गति से वृद्धि होने लगे तो नए विमानों की आवश्यकता तो महसूस होनी ही हैं। नए विमान खरीदने के साथ ही भारत में ही हवाई जहाज के इंजन निर्माण करने के उद्देश्य से विनिर्माण इकाई की स्थापना भी की जा रही है, जो अगले 3 से 4 वर्षों के बीच विनिर्माण का कार्य प्रारम्भ कर देगी। इसी प्रकार, एयर बस ने भी टाटा समूह के साथ बड़ोदा में 20,000 करोड़ रुपए की लागत से एक अन्य विनिर्माण इकाई स्थापित करने के सम्बंध में एक करार पत्र पर हॉल ही में हस्ताक्षर किए हैं।

केंद्र में मोदी सरकार द्वारा भारत के मध्यम एवं गरीब वर्ग के नागरिकों को हवाई जहाज से यात्रा करने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गई उड़ान योजना को बहुत सफलता मिली है। उड़ान योजना के अंतर्गत भारत में 1.17 करोड़ मध्यम एवं गरीब वर्ग के नागरिकों ने 1.20 लाख हवाई फेरों के माध्यम से हवाई यात्रा की है। अब छोटे-छोटे शहरों को भी विमान सुविधाएं प्राप्त बड़े नगरों एवं महानगरों के साथ जोड़ दिया गया है। अब तो देश में कई छोटे शहरों से भी विमान सेवाओं की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उड़ान यात्रा को सफल बनाने के उद्देश्य से पिछले 6 वर्षों के दौरान 473 नए हवाई मार्ग बनाए गए हैं जो पूर्व में शायद व्यवहार्य ही नहीं थे। 73 नए एयरपोर्ट बनाए गए हैं। इनमें से कुछ नए एयरपोर्ट प्रतिवर्ष 2 से 5 लाख के बीच हवाई यात्रा करने वाले नागरिकों को सुविधाएं प्रदान करने में सफल हो रहे हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत कुल 11 एयरलाइन कम्पनियां अपने विमानों का संचालन कर रही हैं, इनमें 3 नई विमान कम्पनियां भी शामिल हैं। अब आगे योजना है कि हवाई मार्गों की कुल संख्या को 1000 के स्तर तक पहुंचाया जाये। जबकि आज 473 हवाई मार्गों पर सफलतापूर्वक हवाई जहाजों को चलाया जा रहा है एवं इनमें से कुछ मार्ग तो व्यवहार्य भी बन चुके हैं।

भारत में हवाई यात्रा करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, मात्र 3 से 4 प्रतिशत के बीच ही है। इसे बहुत आगे तक बढ़ाया जा सकता है। पूरे विश्व में स्थानीय बाजार की दृष्टि से भारतीय विमानन क्षेत्र तीसरे स्थान पर है एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार की दृष्टि से 7वें स्थान पर है। दोनों बाजारों को मिलाकर भारतीय विमानन क्षेत्र का स्थान पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ जाता है। आज देश में विभिन देशों की ओर उड़ान भरने वाले भारतीय नागरिक खाड़ी के देशों के रास्ते से अपनी लम्बी दूरी की यात्रा सम्पन्न करते हैं। परंतु, अब भारत में ही मुंबई एवं दिल्ली में एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है ताकि भारत से सीधे ही लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय यात्रा सम्पन्न की जा सके। भारत शीघ्र ही ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा बाजार बनने जा रहा है। दिल्ली एयरपोर्ट शीघ्र ही प्रतिवर्ष 10.90 करोड़ हवाई यात्रियों को हवाई सुविधा उपलब्ध कराने की ओर अग्रसर है एवं इस प्रकार दिल्ली एयरपोर्ट पूरे विश्व में तीसरा सबसे बड़ा व्यस्त एयरपोर्ट बन जाएगा।

परियोजनाओं में देरी होने का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है

परियोजनाओं का समय पर पूरा नहीं होना केवल और केवल दो संस्थाओं यानी कि सरकार की एजेंसी व कार्य करने वाली संस्था के बीच का नहीं होता बल्कि इसका सीधा-सीधा असर आम जन पर पड़ता है। परियोजनाओं में देरी होने से लागत बढ़ती है और इस लागत की वसूली आम आदमी की मेहनत को प्रभावित करती है। अधिक देरी होगी तो अधिक लागत बढ़ेगी और फिर उसका ना तो समय पर लाभ मिलना शुरू होगा और ना ही अनुमानित लागत रह पायेगी। देखा जाए तो यह अपने आप में कितनी गंभीर बात हो जाती है कि देश में संचालित बड़ी परियोजनाओं में से 129 परियोजनाएं पांच साल से भी अधिक देरी से चल रही हैं। स्वाभाविक है कि परियोजनाओं में देरी होगी तो उनकी लागत में बढ़ोतरी तो होगी ही। ऐसे में सवाल उठता है कि जब परियोजनाएं तैयार होती हैं और उन्हें मूर्त रूप देने के लिए काम शुरू होता है तो उसी समय यानी कि परियोजना की शुरुआत के समय ही आवश्यक सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएं तो उनके क्रियान्वयन में देरी की संभावना ना के बराबर रहे। इससे यह भी साफ हो जाता है कि परियोजना के क्रियान्वयन के शुरुआती दौर में जो भी आवश्यक पूर्तियां की जानी होती हैं उन्हें अनावश्यक रूप से भविष्य के लिए छोड़ दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वे औपचारिकताएं समय आने पर पूरी कर ली जाएंगी। पर होता इसके विपरीत है और फिर जहां एक और परियोजनाओं का कार्य प्रभावित होता है वहीं लागत भी बढ़ जाती है।

दरअसल देश में संचालित बड़ी परियोजनाएं खासतौर से 150 करोड़ या इससे अधिक लागत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा की जाती है। मंत्रालय की रिपोर्ट की मानें तो देश में इस समय संचालित आधारभूत संरचना से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं में 1449 परियोजनाओं की रिपोर्ट के अनुसार 821 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। इसका मतलब यह है कि देश में आधी से अधिक परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। हालांकि मंत्रालय के अनुसार इनमें से 354 परियोजनाओं की लागत में बढ़ोतरी हो गई है। यदि दो साल से अधिक की देरी से चल रही परियोजनाओं

की ही बात करें तो इस तरह की 325 परियोजनाएं हो जाती हैं। यदि सभी 821 परियोजनाओं की औसत देरी निकाली जाए तो औसत 37 माह से कुछ अधिक बैठता है। वहीं केवल 354 परियोजनाओं की देरी से ही लागत में 4 लाख 55 हजार करोड़ रुपए की बढ़ोत्तरी हो चुकी है। इतनी बड़ी राशि से निश्चित रूप से अन्य बड़ी परियोजनाओं का संचालन किया जा सकता है।

दरअसल देखा जाए तो परियोजनाओं में देरी का प्रमुख कारण आवश्यक औपचारिकताओं का समय पर पूरा नहीं होना होता है। कोई ना कोई स्वीकृति या अनुमति अटक जाती है और उससे परियोजना का काम प्रभावित होने लगता है। मोटे रूप से देखा जाए तो परियोजनाओं की क्रियान्विति के लिए जरूरी स्वीकृतियां व अन्य कार्य समय पर पूरे किए जाने जरूरी हो जाते हैं। मजे की बात तो यह है कि सरकार के एक विभाग से दूसरे विभाग की स्वीकृति प्राप्त नहीं होने के कारण ही काम रुक जाता है। इसमें भूमि का अधिग्रहण समय पर नहीं होना, भूमिधारक को समय पर मुआवजा नहीं मिलना, मुआवजे को लेकर न्यायिक प्रकरण हो जाना आदि कानूनी समस्याओं के साथ ही पर्यावरण स्वीकृति, परियोजना में आंशिक या भारी बदलाव, टेंडर की प्रक्रिया पूरी करने में अनावश्यक देरी, परियोजना के उपयोग के लिए आवश्यक उपकरणों या संसाधनों के आने में देरी, कई बार स्थानीय प्रशासन या नागरिकों के साथ विवाद, श्रम संसाधन की कमी या समय पर उपलब्धता का अभाव या आवश्यक संसाधन की समय पर अनुपलब्धता के कारण परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी होती है। अब देखा जाए तो इनमें से अधिकांश कारण ऐसे हैं जिन्हें परियोजना की स्वीकृति के साथ ही पूरा किया जा सकता है। चाहे वह भू उपयोग के परिवर्तन, अधिग्रहण, मुआवजा वितरण आदि का हो या टेंडर की आवश्यक औपचारिकता का हो। इसके साथ ही परियोजना के लिए आवश्यक संसाधन, उपकरण, श्रम शक्ति का आकलन भी पहले से हो सकता है। ऐसे में यदि आवश्यक होमवर्क परियोजना आरंभ होने से पूर्व ही कर लिया जाए तो परियोजना में देरी की संभावना को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सकता है।

यह साफ हो जाना चाहिए कि परियोजनाओं में देरी का खामियाजा केवल और केवल परियोजना को ही नहीं भुगतना पड़ता बल्कि समूची व्यवस्था प्रभावित होती है। लागत में बढ़ोतरी होती है वह अलग। ऐसे में पहले ही रोडमैप बनाकर परियोजना का संचालन किया जाता है तो अधिक देरी की संभावना तो शून्य स्तर पर आएगी ही बल्कि समय पर या समय से पहले परियोजना के पूरे होने से लागत में कमी आने की संभवना से भी नहीं नकारा जा सकता है। इसके साथ ही परियोजना समय से पूरी होने से वह अपने उद्देश्य में तो पूरी होती ही है अपितु इसका लाभ मिलना आरंभ हो जाता है। इसके साथ ही नई परियोजनाओं की राह खुलती है। ऐसे में प्रयास यह होने चाहिए कि परियोजनाएं तय समय सीमा में पूरी हों ताकि जन-धन दोनों की ही बचत हो और राष्ट्रीय धन, समय और श्रम का सदुपयोग हो सके।

उप्र में भाजपा ने ब्राह्मणों के वोट तो लिये मगर सत्ता में उन्हें वाजिब हिस्सेदारी नहीं दी

भारतीय जनता पार्टी में मोदी युग की शुरुआत के बाद कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। बीजेपी की पिछले करीब एक दशक की राजनीति पर नजर दौड़ाई जाए तो यह कहा जा सकता है कि उसमें कभी पार्टी की विचारधारा सर्वोपरि हुआ करती थी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की मर्जी के बिना पार्टी में कोई फैसला नहीं लिया जाता था। संघ के कई नेता बीजेपी में आकर संघ की विचारधारा को आगे बढ़ाते थे। पार्टी के भीतर पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान मिलता था। समय-समय पर उन्हीं में से किसी नेता/कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जाता था। ऐसी परम्परागत भारतीय जनता पार्टी में आज की तारीख में विचारधारा की बात गायब हो गई है। अब चुनाव में प्रत्याशी के चयन का आधार उसकी सोच से नहीं उसकी चुनाव जिताऊ क्षमता से तय किया जाता है। इसी प्रकार से अन्य दलों की तरह बीजेपी में भी अब किसी नेता के 'कद' का निर्धारण उसकी विचारधारा और काबलियत से अधिक उसकी आक्रामकता से तय किया जाता है। मौजूदा बीजेपी के लिए वो ही नेता 'काम' का होता है जो सच-झूठ सब बोलने की क्षमता के साथ-साथ मतदाता तक अपनी बात सलीके से पहुंचाने में महारथ रखता हो, इसके साथ-साथ वोट बैंक की सियासत में फिट बैठता हो। पार्टी में अब ऐसा नेता ही आगे बढ़ता है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली से लेकर राज्यों तक की बीजपी इकाई में आयातित नेताओं के साथ-साथ पूर्व नौकरशाहों का भी दबदबा बढ़ा है, जबकि बदलती राजनीति में बीजेपी के लिए अपना पूरा जीवन खपा देने वाले कई दिग्गज नेता हाशिये पर चले गए हैं।

इसी क्रम में पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश भाजपा की सियासत में भी पूर्व नौकरशाहों और मौकापरस्त नेताओं की बड़े पैमाने पर इंट्री हो चुकी है। खासकर बीते 6-7 वर्षों में बीजेपी ने बाहर से आने वाले ब्राह्मण नेताओं को कुछ ज्यादा ही तरजीह दी है। इसमें से कई आयातित ब्राह्मण नेता और नौकरशाह तो पार्टी और सरकार में उच्च पदों पर आसीन हो गए हैं, जबकि पार्टी के कई पुराने ब्राह्मण नेता और कार्यकर्ता इस दौरान हाशिये पर चले गए हैं। बीजेपी में आयातित ब्राह्मण नेताओं में बृजेश पाठक डिप्टी सीएम के साथ स्वास्थ्य विभाग, जितिन प्रसाद लोक निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री और रजनी तिवारी एवं प्रतिभा शुक्ला राज्य मंत्री हैं। इसमें से जितिन प्रसाद कांग्रेस से और बाकी नेताओं ने 2017 के विधान सभा चुनाव से पूर्व बसपा छोड़कर बीजेपी ज्वॉइन की थी। वहीं गुजरात के पूर्व नौकरशाह एसके शर्मा भी योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और नगर विकास और ऊर्जा जैसा महत्वपूर्ण विभाग उनके पास है। एके शर्मा को पीएम मोदी का काफी खास बताया जाता है।

खैर, बीजेपी ज्वॉइन करने के बाद सबसे बड़ा उछाल कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी से होते हुए भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले बृजेश पाठक की राजनीति में देखने को मिला, जो पिछले छह साल में भारतीय जनता पार्टी के सबसे बड़े ब्राह्मण चेहरा बन गए हैं। उन्होंने पार्टी के पुराने ब्राह्मण चेहरों को काफी पीछे छोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक 2017 के विधानसभा चुनाव से ऐन पहले बीजेपी में शामिल हुए थे। इसके पहले वह बहुजन समाज पार्टी में थे। योगी सरकार बनने के बाद पाठक के कंधों पर न्याय और कानून का विभाग सौंपा गया था। इस दौरान लगातार उनकी छवि ब्राह्मण नेता के तौर पर मजबूत होती गई। बीजेपी के आलाकमान को उनके काम करने का तरीका भी पसंद आया। योगी सरकार की सत्ता में वापसी होने पर उन्हें दिनेश शर्मा की जगह डिप्टी सीएम की कुर्सी पर बैठाया गया। पिछली बार के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा को योगी टू सरकार के कैबिनेट में जगह नहीं मिली। इसी तरह अन्य ब्राह्मण नेताओं में नीलकंठ तिवारी वाराणसी की विधानसभा सीट से दूसरी बार जीते थे। वे पूर्वांचल का बड़ा चेहरा हैं, लेकिन इस बार उनकी जगह पहली बार विधायक बनते ही गाजीपुर के दयाशंकर मिश्रा कैबिनेट में चुन लिए गए। योगी सरकार टू में सबसे आश्चर्यजनक रूप से डॉ. दिनेश शर्मा की विदाई हुई।

दरअसल, दिनेश शर्मा डिप्टी सीएम के तौर पर अपनी वैसी आक्रामक छवि नहीं बना पाए जिसकी उनसे अपेक्षा थी। बीते वर्ष विधान सभा चुनाव कैंपेन के दौरान योगी सरकार पर ब्राह्मण विरोधी होने के आरोप लगे थे। विपक्ष ने उन पर तीखा हमला किया। दिनेश शर्मा इन हमलों का जवाब देने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए। वहीं ब्रजेश पाठक पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दिए। यही वजह थी बीजेपी और स्वयं योगी को भी दिनेश शर्मा के बजाय ब्रजेश पाठक में वो खूबियां दिखाई देने लगीं जिसकी उन्हें जरूरत थी। पाठक ब्राह्मणों के मुद्दों पर बीजेपी विरोधी नेताओं के खिलाफ ज्यादा आक्रामक रहे, जिसका इनाम उन्हें डॉ. दिनेश शर्मा को हटा कर उनकी जगह डिप्टी सीएम के रूप में मिला। ज्ञातव्य हो कि पिछले पांच साल में ऐसे कई मौके आए जब दिनेश शर्मा सुस्त दिखाई दिए। वहीं, ब्रजेश पाठक के तेवर तीखे नजर आए। यूपी विधान सभा चुनाव से पूर्व की लखीमपुर खीरी की घटना को ही लेते हैं। इसमें गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी और उनके बेटे आशीष मिश्रा विपक्ष और भारतीय किसान यूनियन के निशाने पर थे। किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में यहां हुए बवाल में आठ लोगों की मौत हो गई थी। इनमें चार किसानों के साथ अन्य चार बीजेपी कार्यकर्ता थे। ये सभी ब्राह्मण थे। माहौल देख तब सब ने चुप्पी साध रखी थी। हालांकि, ब्रजेश मिश्रा इन कार्यकर्ताओं के घर पहुंचे थे। उनके परिजनों को सांत्वना दी थी कि उन्हें न्याय मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ पर तब भी हमले हुए थे जब माफिया विकास दुबे का एनकाउंटर हुआ था। तब माहौल बनाने की कोशिश की गई थी कि योगी आदित्यनाथ ब्राह्मण विरोधी हैं। उस वक्त भी ब्रजेश पाठक योगी के समर्थन में खुलकर खड़े रहे थे। ब्रजेश पाठक ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जब-जब भाजपा को ब्राह्मण विरोधी बताया, तो इसके प्रतिरोध में पाठक ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश पर पलटवार किया।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री ने भ्रष्टाचार को लेकर अपनी ही सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। राजस्थान सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर अपनी ही सरकार पर निशाना साधते हुए कहा का ''सरकार का अलाइनमेंट खराब हो गया है और उसने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं।'' कांग्रेस के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए सैनिक कल्याण मंत्री गुढ़ा ने कहा, ''कर्नाटक की सरकार का जो 40 प्रतिशत भ्रष्टाचार का मामला था, हमारी सरकार उससे पार जा रही है। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।'' मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने गहलोत से नैतिक आधार पर पद से इस्तीफा देने की मांग की है। उल्लेखनीय है कांग्रेस ने कर्नाटक में हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार के 40 प्रतिशत कमीशन को बड़ा मुद्दा बनाया था।

पश्चिम बंगाल में की गई गलतियां कर्नाटक में दोहराने से भाजपा की हार हुई

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार के संबंध में वरिष्ठ नेता तथागत रॉय ने सोमवार को कहा कि वफादारों के बजाय अन्य दलों से आए लोगों को तरजीह देने जैसी जो गलतियां 2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान की गईं, उन्हीं गलतियों को दोहराने से कर्नाटक में पार्टी की हार हुई है। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारने का समय आ गया है। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष और त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल रॉय ने सिलसिलेवार ट्वीट में याद किया कि 2021 में पूर्वी राज्य में चुनाव के दौरान इसी तरह की गलतियां कैसे की गईं।

अकोला और शेगांव में स्थिति नियंत्रण में,130 से अधिक हिरासत में,इंटरनेट बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के अकोला शहर और शेगांव में पिछले दो दिन में हुई साम्प्रदायिक हिंसा के सिलसिले में 130 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है और 13 अन्य लोग घायल हो गये। साम्प्रदायिक हिंसा ने पुलिस के लिए अन्य इलाकों में संभावित हिंसा को रोकने की चुनौती पेश की है। राज्य के मंत्री गिरीश महाजन ने दावा किया कि अकोला में हुई हिंसा संभवतः ''पूर्व नियोजित'' थी, वहीं उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कुछ संगठन और लोग हैं जो चाहते हैं कि राज्य अस्थिर हो, लेकिन सरकार उन्हें सबक सिखाएगी।

पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर एक धार्मिक पोस्ट को लेकर अकोला के संवेदनशील ओल्ड सिटी इलाके में शनिवार रात हुई हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो पुलिसकर्मियों सहित आठ अन्य घायल हो गए, जिसके बाद पुलिस ने कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया था। पुलिस के अनुसार

दोनों गुटों के लोगों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके और जमकर तोड़फोड़ की। दंगाइयों ने हिंसा के दौरान कुछ दोपहिया और चार पहिया वाहनों में आग लगा दी। इसके अलावा पश्चिम महाराष्ट्र में अहमदनगर जिले के शेगांव गांव में रविवार रात जुलूस निकालने को लेकर हुए संघर्ष में कम से कम पांच लोग घायल हो गए।

पुलिस ने सोमवार को कहा कि पथराव में कई दुकानें और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने इस साम्प्रदायिक हिंसा के सिलसिले में अब तक 132 लोगों को हिरासत में लिया है- अकोला में 100 से अधिक जबकि शेगांव में 32 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि अहमदनगर जिला मुख्यालय से 65 किमी दूर स्थित शेगांव में 150 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। अकोला में हिंसा के बाद, जिलाधिकारी नीमा अरोड़ा ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के चार थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू का आदेश दिया।

अधिकारी ने बताया कि सोमवार को शहर कोतवाली और रामदास पेठ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इलाकों में कर्फ्यू में ढील दी गयी। हालांकि, डाबकी रोड और ओल्ड सिटी थाना अंतर्गत क्षेत्रों के भीतर रात में (रात 8 बजे से सुबह 8 बजे के बीच) कर्फ्यू लागू रहेगा, जबकि दिन के समय कुछ छूट दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए अकोला और शेगांव में इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को पुलिस को अकोला और शेगांव में दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया और लोगों से शांति और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा, ''अकोला और शेगांव में स्थिति अब नियंत्रण में है और पुलिस बल तैनात है। राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर, राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन ने व्यक्तिगत रूप से अकोला का दौरा किया, जबकि राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शेगांव में स्थिति की समीक्षा की। '' पुणे में उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि कुछ ऐसे संगठन एवं लोग हैं जो चाहते हैं कि राज्य अस्थिर रहे लेकिन सरकार उन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा,''यह शत-प्रतिशत सच है कि कुछ ऐसे लोग और संगठन हैं जो चाहते हैं कि राज्य अस्थिर रहे। लेकिन सरकार उन्हें बेनकाब करेगी और उन्हें सबक सिखायेगी।''

इससे पूर्व राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन ने दावा किया कि अकोला में दो समुदायों के सदस्यों के बीच झड़प संभवतः ''सुनियोजित साजिश'' के तहत हुई। महाजन ने रविवार को प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''ऐसी आशंका है कि घटना सुनियोजित थी। कुछ मकान और वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।'' महाजन ने हिंसा में मारे गए व्यक्ति विलास गायकवाड़ (40) के परिवार से भी मुलाकात की और संवेदना प्रकट की।

महाजन ने कहा कि राज्य सरकार ने हिंसा में मारे गए व्यक्ति के परिवार के लिए चार लाख रुपये की सहायता की घोषणा की है। औरंगाबाद में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता और पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे ने दावा किया कि मुस्लिम मतों को महा विकास आघाड़ी (एमवीए) की ओर जाने से रोकने के लिए महाराष्ट्र में दंगे भड़काए जा रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि जब से एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस गठबंधन सत्ता में आया है, साम्प्रदायिक तनाव पैदा हो रहा है। इस बीच, नासिक जिले के प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर मंदिर में सुरक्षा गार्डों ने एक अलग धर्म के लोगों के एक समूह के प्रयास को विफल कर दिया, जिन्होंने शनिवार रात मंदिर परिसर में जबरन घुसने की कोशिश की। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, केवल हिंदुओं को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति है जो भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। मंदिर ट्रस्ट ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

पूर्वी मिदनापुर में विस्फोट, छह लोगों की मौत
भाजपा ने साधा ममता सरकार पर निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले में मंगलवार को बम बनाने की एक फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई। विस्फोट का असर इतना जबरदस्त था कि जिस घर में धमाके हो रहे थे, वह पूरी तरह से ढह गया। पुलिस को आशंका है कि बचाव अभियान समाप्त होने के बाद और शव बरामद किए जाएंगे। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि धमाका केवल वहां रखे पटाखों की वजह से हुआ या पटाखों की फैक्ट्री की आड़ में वहां बनाए गए देसी बमों के विस्फोट से। फिलहाल इस मामले को लेकर भाजपा राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर हो गई है। भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में उद्योग की बात करें तो बम के कारखाने हर जगह

हैं, क्योंकि जब भी ब्लास्ट होता है पहले पता चलता है कि पटाखों के कारखाने में ब्लास्ट हुआ लेकिन बाद में जब जांच होती है तो पता चलता है कि वह बम बनाने की कोई फैक्ट्री थी और उसके लिंक अल-कायदा जैसे विभिन्न आतंकी संगठन से हैं। इससे पहले हमने मेदिनीपुर, आसनसोल में भी देखा है। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि उक्त पटाखा फैक्ट्री स्थानीय प्रशासन से आवश्यक प्राधिकरण या पर्यवेक्षण के बिना पूरी तरह से अवैध तरीके से चल रही थी, जिसमें पुलिस भी शामिल है।

स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया है कि स्थानीय प्रशासन ने क्षेत्र में उगने वाली अवैध पटाखों की फैक्ट्री के खिलाफ कार्रवाई की उनकी बार-बार की गई दलीलों को नजरअंदाज कर दिया। खबर लिखे जाने तक भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच चुका था। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है।

जो कर रहे थे बंगला विवाद की जांच केजरीवाल सरकार ने उस अधिकारी से वापस लिया सारा काम

नई दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को दिल्ली के सेवा मंत्री सौरभ भारद्वाज से उस आईएएस अधिकारी के बारे में चुप्पी को लेकर सवाल किया, जिसे उन्होंने सतर्कता विभाग से हटाने की मांग की है। भारद्वाज के इस आशय के आदेश सामने आने के एक दिन बाद यह सामने आया है। विशेष सचिव सतर्कता वाईवीवीजे राजशेखर पर जबरन वसूली रैकेट चलाने का आरोप लगाते हुए भारद्वाज ने उन्हें सभी कार्यों और मामलों से वंचित कर दिया। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इनमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के फ्लैगस्टाफ रोड आवास की मरम्मत, कथित आबकारी नीति घोटाला और फीडबैक यूनिट (एफबीयू) शामिल हैं।

इमरान समर्थकों की अब खैर नहीं, जिन्ना के घर को आग के हवाले करना पड़ेगा महंगा, आर्मी एक्ट में चलेगा मुकदमा

इस्लामाबाद। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में हिंसा और अराजकता का माहौल देखने को मिला था। अब पाकिस्तानी सेना ने हिंसा को अंजाम देने वाले सभी तत्वों के प्रति सख्ती दिखाने का निर्णय लिया है। सेना ने इसे विदेशी समर्थित और आंतरिक रूप से उकसाया हुआ हमला करार दिया है। इस हमले में सैन्य प्रतिष्ठान और सार्वजनिक-निजी संपत्तियों को निशाना बनाया गया था। हिंसा के दौरान, राज्य संस्थानों, विशेष रूप से संवेदनशील सैन्य इमारतों पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों द्वारा हमला किया गया था।

जीएचक्यू (सामान्य मुख्यालय) रावलपिंडी में आयोजित विशेष कोर कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (सीसीसी) की महत्वपूर्ण बैठक में पाकिस्तान के थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल सैयद असीम मुनीर को 9 मई से कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में व्यापक रूप से जानकारी दी गई थी। उन्हें बताया गया कि हिंसा निहित राजनीतिक हितों को प्राप्त करने के लिए हुई। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक प्रेस बयान में कहा गया है कि फोरम को मौजूदा

आंतरिक और बाहरी सुरक्षा वातावरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई थी।

पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने फैसला किया है कि सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने और तोड़फोड़ की साजिश रचने वालों पर पाकिस्तान आर्मी एक्ट और ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पिछले हफ्ते पीटीआई चीफ इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे देश में उनके समर्थकों ने हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया। सेना के दफ्तरों को निशाना बनाया गया। इसके साथ ही ऐतिहासिक कोर कमांडर हाउ को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिसे मूल रूप से जिन्ना हाउस के रूप में जाना जाता है। भारत का बंटवारा कर पाकिस्तान बनाने वाले मोहम्मद अली जिन्ना का कभी ये निवास स्थान हुआ करता था।

ऋषि सुनक ने यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की का ब्रिटेन में किया स्वागत

व्लादिमीर। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की का स्वागत किया और युद्धग्रस्त यूरोपीय राष्ट्र के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। ब्रिटेन चौथा यूरोपीय देश है जिसकी पिछले कुछ दिन में जेलेंस्की ने यात्रा की है। जर्मनी और इटली की यात्रा के बाद उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलने के लिए रविवार को पेरिस की एक अघोषित यात्रा की थी। जर्मनी और इटली की यात्रा के दौरान उन्होंने देश के वरिष्ठ नेताओं और पोप फ्रांसिस से मुलाकात की थी। 'डाउनिंग स्ट्रीट' (ब्रिटेन में प्रधानमंत्री आवास) के अनुसार, जेलेंस्की सप्ताहांत में यूरोपीय नेताओं के साथ उनकी बैठकों के बारे में सुनक को जानकारी देंगे। यह यात्रा आइसलैंड में 'काउंसिल ऑफ यूरोप समिट' से पहले हो रही है। जापान में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए तोक्यो की यात्रा से पहले सुनक इस सप्ताह आइसलैंड जाएंगे। सुनक ने कहा, '' यह, भयावह युद्ध में यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण क्षण है.. (ऐसा युद्ध) जिसके लिए उन्होंने नहीं उकसाया। उन्हें अंधाधुंध हमलों से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के निरंतर समर्थन की जरूरत है जो (हमले) एक वर्ष से अधिक समय से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी की

वास्तविकता रहे हैं।'' सुनक ने कहा, '' हमें उन्हें निराश नहीं करना चाहिए। (रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन के युद्ध की सीमाएं भले ही यूक्रेन तक सीमित हो सकती हैं, लेकिन इसके परिणाम पूरी दुनिया में दिखेंगे। यह सुनिश्चित करना हमारे हित में है कि यूक्रेन सफल हो और पुतिन की बर्बरता नाकाम हो।'' 'डाउनिंग स्ट्रीट' के अनुसार, सुनक आइसलैंड और जापान की अपनी यात्रा के दौरान सैन्य सहायता तथा दीर्घकालिक सुरक्षा आश्वासन दोनों के संदर्भ में यूक्रेन को निरंतर अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाने के लिए काम करेंगे। बयान के अनुसार,''आज उनकी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री सुनक, राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ तत्काल सैन्य उपकरण तथा दीर्घकालिक रक्षा के संदर्भ में चर्चा करने के साथ ही इस बात पर भी विचार करेंगे कि यूक्रेन को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से किस प्रकार के समर्थन की जरूरत है।

जबरन वसूली की कोशिश करने पर राजनीतिक दल का पदाधिकारी गिरफ्तार

मुंबई। पुलिस ने एक भूस्वामी से जबरन धन वसूलने की कोशिश करने के आरोप में एक राजनीतिक दल के 45 वर्षीय पदाधिकारी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी उत्तर प्रदेश की पार्टी की दक्षिण मुंबई इकाई का अध्यक्ष है। उसके खिलाफ मुंबई के एक नगर निकाय अधिकारी को जान से मारने की धमकी देने और एक जौहरी से जबरन धन वसूली की कोशिश करने के आरोप में भी दो और मामले दर्ज हैं। पार्टी पदाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं में से एक व्यक्ति से दक्षिण मुंबई में उसके ''अवैध'' गैराज के खिलाफ प्राधिकारियों से शिकायत नहीं करने के एवज में उससे 1.50 लाख रुपये के अलावा मासिक आधार पर 15,000 रुपये मांगे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भायखला पुलिस थाने में धारा 384 (जबरन वसूली के लिए सजा) सहित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किए जाने के बाद उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस कथित रूप से जबरन वसूली की कोशिश करने के मामले में एक जौहरी द्वारा पार्टी पदाधिकारी के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत की भी जांच कर रही है।

पीएम मोदी 'रोजगार मेले' के तहत 71,000 कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे
कहा कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाया

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्तियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। 'रोजगार मेला' देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'रोजगार मेले' के तहत करीब 71 हजार नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे और कहा कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया है जिससे भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद खत्म हुआ है। ये नियुक्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों में भी हुई हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने इन नवनियुक्त कर्मियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित भी किया और उन्हें सरकारी नौकरी मिलने पर बधाई दी।

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं वॉलमार्ट के सीईओ से मिला और उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी अगले 3-4 साल में 80,000 करोड़ रुपये का निर्यात करेगी। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन सेक्टर में काम करने की चाहत रखने वाले युवाओं के लिए यह बड़ी खबर है। सिस्को के सीईओ ने मुझे

यह भी बताया कि वे 8,000 करोड़ रुपये के मेड-इन-इंडिया उत्पादों के निर्यात का भी लक्ष्य बना रहे हैं... अगले सप्ताह मैं बड़ी कंपनियों के सीईओ से मिलूंगा और वे सभी भारत में निवेश करने के लिए उत्साहित हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि 2014 से पहले, देश का ग्रामीण सड़क नेटवर्क 4 लाख किलोमीटर से भी कम फैला था, लेकिन अब यह 7.15 लाख किलोमीटर से अधिक हो गया है। 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे। आज यह संख्या बढ़कर करीब 150 हो गई है। उन्होंने कहा, ''पिछले नौ वर्षों में भारत सरकार ने सरकारी भर्ती प्रक्रिया को ज्यादा तेज करने, ज्यादा पारदर्शी और निपक्ष बनाने को भी प्राथमिकता दी है। आज आवेदन करने से लेकर नतीजे आने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है।'' मोदी ने कहा कि आज दस्तावेजों को स्व-सत्यापित (सेल्फ अटेस्ट) करना भी पर्याप्त होता है और 'ग्रुप सी' और 'ग्रुप डी' के पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार भी खत्म हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''इन सारे प्रयासों से भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद खत्म हुआ है।'' ये नयी भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों व मंत्रालयों के साथ ही राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों में ग्रामीण डाक सेवक, डाक निरीक्षक, वाणिज्यिक-सह-टिकट क्लर्क, जूनियर क्लर्क-सह-टाइपिस्ट, जूनियर लेखा क्लर्क, ट्रैक मेंटेनर, सहायक अनुभाग अधिकारी, लोअर डिवीजन क्लर्क, सब डिवीजनल ऑफिसर, कर सहायक, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, निरीक्षक, नर्सिंग अधिकारी, सहायक सुरक्षा अधिकारी, फायरमैन, सहायक लेखा अधिकारी, संभागीय लेखाकार, लेखा परीक्षक, कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, सहायक कमांडेंट, प्रधानाचार्य, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, सहायक रजिस्ट्रार और सहायक प्रोफेसर आदि पदों पर हुई हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार की हर योजना, हर नीति युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है। पिछले 9 सालों में भारत सरकार ने पूंजीगत व्यय पर करीब 34 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने इमरान खान को उनके खिलाफ दर्ज मामलों में 8 जून तक जमानत दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इमरान खान को उनके खिलाफ दर्ज मामलों में 8 जून तक जमानत मिली है। इमरान खान को मंगलवार को उनके खिलाफ दर्ज मामलों में 8 जून, 2023 तक के लिए जमानत दे दी गई। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने खान को जमानत दे दी थी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ मामले उनके द्वारा सरकारी संस्थानों के खिलाफ दिए गए बयान के संदर्भ में दर्ज किए गए थे। लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ दर्ज आतंकवाद के मामलों में उनकी जमानत याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की। अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों द्वारा बड़े पैमाने पर हिंसा की गई थी। खान के साथ उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी थीं, जिन्हें अल-कादिर ट्रस्ट मामले में उच्च न्यायालय ने 23 मई तक अग्रिम जमानत दे दी।

अदालत के एक अधिकारी ने बताया, 'एलएचसी ने अल-कादिर ट्रस्ट मामले में बुशरा बीबी को 23 मई तक अग्रिम जमानत दे दी। अदालत ने हालांकि नौ मई की हिंसा के बाद खान के खिलाफ दर्ज आतंकवाद के मामलों में जमानत याचिका पर सुनवाई मंगलवार को तय की गयी थी जिस पर आज कोर्ट ने फैसला लिया और इमरान खान को जमानत दे दी। एलएचसी रजिस्ट्रार कार्यालय ने सुप्रीम कोर्ट और इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के आदेशों की सत्यापित प्रतियों को संलग्न नहीं करने पर आपत्ति जताई है।' न्यायमूर्ति सफदर सलीम शाहिद ने खान की याचिका पर सुनवाई के लिए 16 मई की तारीख तय की थी। इससे पहले खान के वकील ने अदालत के आदेशों का प्रावधान करने का आश्वासन दिया था। बुशरा बीबी अल-कादिर ट्रस्ट मामले में अग्रिम जमानत के लिये पहली बार लाहौर उच्च न्यायालय के समक्ष पेश हुई थीं।

खान और बुशरा बीबी कड़ी सुरक्षा के बीच एलएचसी पहुंचे और इस दौरान उनके साथ पार्टी कार्यकर्ता नहीं थे। बम और बुलेटप्रूफ वाहन में सवार होने से पहले उसे सफेद चादर से ढक दिया गया था, ताकि बुशरा बीबी अपना 'पर्दा' कर सकें। खान के खिलाफ जहां 100 से ज्यादा मामले हैं, वहीं बुशरा दो मामलों - तोशाखाना और अल कादिर ट्रस्ट मामला- में नामजद हैं। खान ने सोमवार को किए गए एक ट्वीट में कहा कि

उन्होंने (सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान ने) उन्हें अपमानित करने के लिये उनकी पत्नी को गिरफ्तार करने की साजिश रची है।उन्होंने दावा किया कि सरकार का इरादा राजद्रोह के मामले में उन्हें 10 वर्षों तक जेल में रखने का है। ऐसी खबरें हैं कि सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के लिए उकसाने को लेकर खान पर सेना अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख को पिछले सप्ताह उनकी गिरफ्तारी के बाद कोर कमांडर लाहौर के घर में आग लगाने और हिंसा की अन्य घटनाओं के लिए दर्ज छह मामलों में अंतरिम जमानत मिली थी। खान शुक्रवार को जमानत मिलने के बावजूद फिर से गिरफ्तारी के डर से खुद को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) परिसर में घंटों बंद रखने के बाद शनिवार को अपने लाहौर स्थित घर लौट आए थे। आईएचसी ने 70 वर्षीय खान के खिलाफ 9 मई के बाद दर्ज सभी मामलों में गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए उनको जमानत दे दी थी और उन्हें 15 मई को आगे की राहत के लिए लाहौर उच्च न्यायालय जाने के लिए कहा था। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने नौ मई को क्रिकेटर से नेता बने खान को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में गिरफ्तार किया था। आईएचसी ने उन्हें दो हफ्तों के लिये अग्रिम जमानत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से खान की गिरफ्तारी को अवैध करार दिया था और मामले को आईएचसी को भेजा था। पंजाब पुलिस ने 10 मई को खान और उनकी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं पर हमला करने और लाहौर में 'कोर कमांडर हाउस' में आग लगाने के अलावा समर्थकों को सरकारी इमारतों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने व नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाने को लेकर पांच अन्य प्राथमिकी दर्ज की थीं। खान और उनके सहयोगी शाह महमूद कुरैशी व अन्य पर पिछले मंगलवार को लाहौर छावनी में वरिष्ठ सैन्य कमांडर के घर 'जिन्ना हाउस' पर हमला करने के लिए हत्या, आतंकवाद और 20 अन्य जघन्य अपराधों के तहत मामला दर्ज किया गया है। आईएचसी परिसर में पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा मंगलवार को खान की गिरफ्तारी से पाकिस्तान में अशांति फैल गई, जो शुक्रवार तक जारी रही। इस दौरान कई लोगों की जान गई और प्रदर्शनकारियों द्वारा दर्जनों सैन्य व अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया गया। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार, प्रदर्शनकारियों ने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर धावा बोल दिया और लाहौर में कोर कमांडर के घर में आग लगा दी।

इस तरह करीना कपूर को कॉपी करती हैं उर्वशी रौतेला, लंबे टाइम बाद हाथ लगा सबूत

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर काफी धमाल मचाकर रखती हैं। उर्वशी रौतेला अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर करके अपने फैंस का मनोरंजन करती रहती हैं। उर्वशी रौतेला की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि अब तक इन्होंने लीड एक्ट्रेस के तौर पर गिनती की कुल चार फिल्में की है लेकिन सुखियों से इनका नाम कभी नहीं हटता।उर्वशी की सुखियों में रहने की वजह फिल्मों से ज्यादा क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत के साथ उनके अफेयर रहे हैं। कथिक तौर पर एक समय में उर्वशी ने पहले हार्दिक पांड्या को और फिर ऋषभ पंत को डेट किया था। खैर इस अफेयर के बाद उर्वशी रौतेला को सोशल मीडिया पर काफी अलोचना का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी लोकप्रियता में कमी नहीं आयी। हाल ही में उर्वशी रौतेला को सोशल मीडिया पर फॉलो करने वालो की संख्या 25 मिलियन पार कर गई हैं। उर्वशी अपनी लगातार खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में आप उन्हें बॉलीवुड की सुपरस्टार एक्ट्रेस करीना कपूर खान को कॉपी करता देख सकते हैं। वीडियो में उर्वशी फिल्म कभी खुशी कभी गम की पू (करीना कपूर खान) की एक्टिंग कर रही है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- हाउ डेयर यू, तुम्हें कोई हक नहीं कि तुम इतनी खूबसूरत लगो। वीडियो में उर्वशी काफी खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने ये वीडियो किसी होटल या मॉल के ओपन हॉल में शूट किया हैं। इसमें उन्होंने सफेद रंग की एक जैकिट पहनी हुई है और डार्क ब्लू कलर की शर्ट। जिसमें वह काफी हॉट लग रही हैं।

दक्षिण फिल्मों में अभिनय की पारी खेलने को तैयार अर्जुन रामपाल, नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म से करेंगे डेब्यू

मुंबई। अर्जुन रामपाल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता हैं। वह हिंदी सिनेमा में अपने शानदार काम के लिए जाने जाते हैं। बॉलीवुड में अपना नाम बनाने के बाद, अभिनेता अब टॉलीवुड में एक शो करने के लिए तैयार हैं। रामपाल नंदामुरी बालकृष्ण की ँख108 से तेलुगु में डेब्यू करेंगे। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल तेलुगु फिल्मों के अभिनेता-निर्माता नंदामुरी बालकृष्ण की अगली फिल्म से तेलुगु सिनेमा में पदार्पण करेंगे। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। फिल्म निर्माताओं ने बताया कि 50 वर्षीय रामपाल आगामी फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। फिलहाल, फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसका निर्देशन अनिल रविपुडी और निर्माण साहू गणपति तथा हरीश पेड्डी के प्रोडक्शन बैनर शाइन स्क्रीन्स द्वारा किया जा रहा है। प्रोडक्शन बैनर ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर रामपाल को फिल्म से जोड़ने की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, फिल्म की पूरी टीम राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता अर्जुन रामपाल का तेलुगु फिल्मों में करियर की शुरूआत करने पर स्वागत करती है। 'ओम शांति ओम' और 'रा.वन' जैसी हिंदी फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभा चुके रामपाल ने कहा कि वह आगामी तेलुगु फिल्म में काम करने को लेकर उत्सुक हैं।

विदेश में रहने के बावजूद अपनी संस्कृति को नहीं भूली है प्रीति जिंटा, पति और बच्चों संग किए हटेश्वरी माता के दर्शन

मुम्बई। अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर राज करने वाली डिंपल ब्यूटी प्रीति जिंटा फिलहाल फिल्मों से दूर है और आईपीएल पर ध्यान दे रही हैं। प्रीति जिंटा विदेश में रहती हैं और विदेशी से ही उन्होंने शादी भी की। प्रीति जिंटा एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो लॉस एंजेलिस में रहने के बावजूद अपनी जड़ों से जुड़ी हुई हैं। अभिनेत्री अपने बच्चों में भी उन मूल्यों को आत्मसात करने के लिए सब कुछ कर रही है जो उनकी संस्कृति से जुड़ी हैं। हाल ही में प्रीति जिंटा शिमला के हटेश्वरी माता मंदिर पहुंची। प्रीति ने ट्विटर पर शिमला में हाटकोटी हटेश्वरी माता मंदिर में अपनी यात्रा का दस्तावेजीकरण करते हुए एक वीडियो साझा किया।

प्रीति जिंटा ने अपनी पोस्ट में बचपन की यादों को ताजा किया और खुलासा किया कि कैसे मंदिर ने उनके चरित्र को ढालने में बड़ी भूमिका निभाई। मंदिर की यात्रा के लिए, कोई मिल गया की अभिनेत्री को पीले रंग के सूट में देखा जा सकता है और उसने अपने सिर को सुनहरे दुपट्टे से ढका हुआ है। वहीं उनके साथ उनके पति जीन गुडइनफ ने मैचिंग पैंट के साथ काली शर्ट पहन रखी थी। उन्होंने अपने दो बच्चों को भी गोद में लिया और उन्हें अनुष्ठान में भाग लेने के लिए मंदिर के अंदर ले गए। प्रीति और जीन ने 29 फरवरी 2016 को लॉस एंजेलिस में शादी की थी। दोनों

2021 में जुड़वां बच्चों के माता-पिता बने। प्रीति जिंटा ने 1998 में दिल से के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। बाद में, अभिनेत्री ने सोल्जर, संघर्ष, क्या कहना, सलाम नमस्ते, कल हो ना हो, लाश, कोई मिल गया, हैप्पी एंडिंग, इश्क इन पेरिस जैसी कई हिंदी फिल्मों में अभिनय किया। , क्रिश, कभी अलविदा ना कहना और बहुत कुछ।

रामगोपाल वर्मा ने महिलाओं पर दिया विवादित बयान, सोना महापात्रा ने जमकर लगाई क्लास

मुम्बई। देशभर में कोरोना वायरस से बचने के लिए इस समय लॉकडाउन चल रहा है ऐसे में सरकार ने तीसरी बार लॉकडाउन को बढ़ाया है। इस बार लॉकडाउन बढ़ाते वक्त लोगों को काफी छूट भी दी गई है। कुछ महत्वपूर्ण कामों के अलावा शराब की दुकाने भी खोल दी गई है। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ अब शराब खरीदी जा सकेगी। सरकार के इस कदम ने काफी लोगों नाखुश दिखाई पड़े। उन्होंने सरकार के इस कदम के लिए उनकी आलोचना की। जावेद अख्तर और रवीना टंडन जैसे सितानों ने सरकार की अलोचना की है। वहीं कुछ लोग शराब की दुकाने खुलने से काफी खुश है। जिस दिन सरकार ने ठेके खोलने का आदेश दिया उस दिन देश के हालात काफी खराब नजर आये लोगों ने शराब खरीदने के लिए लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा दी। देश के अलग-अलग शहरों से बेहद शर्मनाक तस्वीरें सामने आयी। उन तस्वीरों में से एक तस्वीर ऐसी भी थी जिसमें लड़कियों ने शराब खरीदने के लिए लाइन लगा रखी थी। ये तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस वायरल तस्वीर को शेयर करते हुए बॉलीवुड के निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने भी कमेंट किया।

प्रभास की आदिपुरुष ने तोड़ा राम चरण का रिकोर्ड! इस मामले में इतिहास रचने को तैयार है फिल्म

मुम्बई। जब से आदिपुरुष का ट्रेलर सामने आया है तभी से फिल्म आदिपुरुष ट्रेंड कर रही है। जैसा कि हम जानते हैं, टीज़र को कई कारणों से बहुमत द्वारा प्रतिबंधित किया गया था। लेकिन ओम राउत एंड टीम ने अच्छी वापसी की है। प्रभास एक भव्य भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं वहीं कृति सेनन ने जानकी की भेद्यता को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। सनी सिंह ने लक्ष्मण

की भूमिका निभाई है और भगवान हनुमान की भूमिका देवदत्त नाग ने निभाई है। सैफ अली खान को रावण के रूप में रखा गया है। अभिनेता ने ओम राउत की तन्हाजीः द अनसंग वॉरियर में भी शानदार काम किया था। आदिपुरुष के हिंदी ट्रेलर ने बड़े आराम सेँ (हिंदी) के नंबरों को पछाड़ दिया। अब तक, आदिपुरुष (सभी भाषाओं) के ट्रेलर को 57.2 मिलियन बार देखा जा चुका है। यह पहले 24 घंटे में है। प्रशंसकों ने बीजीएम, शरद केलकर की आवाज, प्रभास को भगवान राम के रूप में, संगीत और अंत में सैफ अली खान की आवाज को पसंद किया है। फिल्म में तन्हाजीः द अनसंग वॉरियर की तरह एक व्यापक वाइब है। नेटिज़न्स ने गहन आलोचना के बाद कड़ी मेहनत करने और वास्तव में प्रभावशाली ट्रेलर लाने के लिए निर्माताओं की प्रशंसा की है। प्रभास और कृति सेनन ने इस बारे में बात की है कि वे इस परियोजना का हिस्सा बनकर कितने प्रभावित हुए हैं। इवेंट के दौरान कृति सेनन जमीन पर बैठ गईं। प्रभास को भगवान राम के रूप में कैसे प्रस्तुत किया गया है, इस पर तटस्थ दर्शकों के मिश्रित विचार हैं, वहीं उनके प्रशंसकों ने ओम राउत की प्रस्तुति को पसंद किया है। कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें लगता है कि ऋतिक रोशन या जूनियर एनटीआर भी एक बेहतर विकल्प होते। आदिपुरुष इन आंकड़ों से बंपर ओपनिंग के लिए तैयार दिख रहा है। फिल्म 16 जून, 2023 को पूरे भारत में आ रही है।

केरल स्टोरी की सक्सेज के बाद इस फिल्म में नजर आएंगी एक्ट्रेस अदा शर्मा, पुलिस ऑफिसर का रोल हुआ ऑफर

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा आजकल अपनी फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म और एक्ट्रेस अदा शर्मा के अभिनय को दर्शकों की खूब तारीफ मिल रही है। अदा ने इस फिल्म में शानदार अभिनय किया है। इस फिल्म के बाद अब अभिनेत्री अदा शर्मा के प्रोजेक्ट्स को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है।

बता दें कि हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने द गेम ऑफ गिरगिट को लेकर एक घोषणा की है। फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट में अदा शर्मा अभिनेता श्रेयस तलपड़े की के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस फिल्म में अदा शर्मा दमदार रोल में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म थ्रिलर गंधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड के प्रोडक्शन की है। विशाल पांड्या द्वारा निर्देशित फिल्म में एक्ट्रेस पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगी। द गेम ऑफ गिरगिट के निर्माताओं के मुताबिक यह फिल्म 'ब्लू व्हेल गेम' पर आधारित होगी। बता दें कि हाल ही में इस गेम को लेकर युवाओं में काफी क्रेज भी देखा गया। इसको व्हेल चैलेंज भी कहा जाता है। इस गेम में कथित तौर पर खिलाड़ियों को आत्महत्या के लिए उकसाया जाता है। यह एक इंटरनेट गेम है। इस गेम में 50 दिनों की अवधि के दौरान प्लेयर को दिए गए कामों की एक सीरीज होती है।

अदा शर्मा स्टारर फिल्म द केरल स्टोरी काफी विवादों में रही। वहीं अपने अगले प्रोजेक्ट पर बात करते हुए अदा ने बताया कि वह इस फिल्म में अपने पुलिस ऑफिसर के रोल के लिए काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा कि वह कामांडो फिल्म में पुलिस का रोल कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि इस फिल्म में उनकी भूमिका एक अलग पुलिस ऑफिसर की है।

किस्साः तनाव में दिलीप कुमार फाड़ने लगे थे अपनी शर्ट, ऋषि कपूर को डर था कहीं मेरा हाल भी ऐसा न हो जाए!

नई दिल्ली। स्वर्गीय ऋषि कपूर ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में अपने तनाव भरे दौर के बारे में जिक्र करते हुए बताते है कि चुनौतियां हर किसी की जिंदगी में आती हैं। फिर चाहें उसके पास कितना भी पैसा और नाम हो। लोगों को लगता है कि फिल्मी सितारों के पास पैसा है, शौहरत है, नाम है, जो एक जिंदगी का सपना होता है वो सब कुछ है तो इनकी लाइफ में क्या टेंशन होगी। ऐसा बिलकुल नहीं हैं। सुपरहिट सितारों की जिंदगी में भी चुनौतियां होती हैं। स्वर्गीय ऋषि कपूर ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में अपने तनाव भरे दौर के बारे में जिक्र करते हुए बताते है कि चुनौतियां हर किसी की जिंदगी में आती हैं। फिर चाहें उसके पास कितना भी पैसा और नाम हो। स्वर्गीय ऋषि कपूर ने बताया था कि 1980 में मेरी एक फिल्म आने वाली थी कर्ज। इस फिल्म का डायरेक्शन शानदार निर्देशक सुभाष घई कर रहे थे। मुझे इस फिल्म से काफी उम्मीदें थी। फिल्म सिमेनाघर में रिलीज

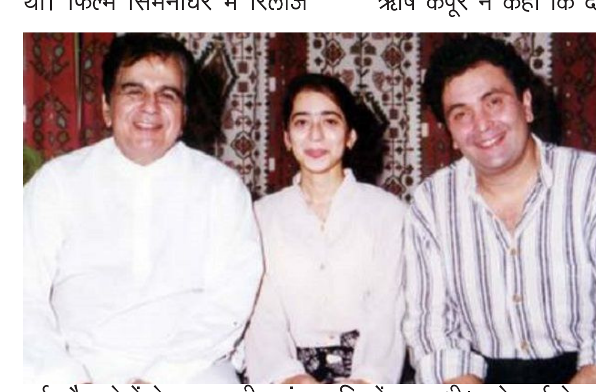

हुई और लोगों ने इस काफी पसंद भी किया लेकिन इसके एक हफ्ते बाद विनोद खनन की फिल्म कुर्बानी रिलीज हुई और इस फिल्म ने धीरे-धीरे मेरी फिल्म कर्ज को बीच करना शुरू कर दिया। कुर्बानी कर्ज से आगे निकल गई। कुर्बानी का शानदार म्यूजिक।सिनेमाटोग्राफी, जीनत अमान, विनोद खनन और फिरोज खान का डैशिंग अंदाज हमारी फिल्म पर भारी पड़ा।

ऋषि कपूर ने कहा कि दोनों फिल्में अलग थी। मुझे कर्ज से काफी उम्मीदें थी क्योंकि मैंने इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की थी। फिल्म कर्ज चली थी लेकिन उतनी नहीं जितनी मुझे उम्मीद थी मुझे लगता था कर्म मेरे करियर को नई ऊंचाई देगी। ऋषि ने कहा था कि फिल्म कर्ज के बाद मैं काफी तनाव ने अगया। मुझे याद आने लगा कि सुपरस्टार दिलीप कुमार जब तनाव में थे तो उन्होंने ने अपनी शर्ट फाड़ ली थी। मैं भी काफी परेशान हो गया था। मेरा आत्मविश्वास खत्म हो गया था। 3 से 4 महीने तक मैंने किसी फिल्म की शूटिंग नहीं की थी। ये दौर मेरे लिए काफी तनाव भरा था।

ऋषि ने कहा की हालत ऐसी हो गयी थी कि फिल्म के सेट पर जाने में डर सा लगता था। सेट पर कास्ट और क्रू मेरा इंतजार करते रह जाते थे. हेमा मालिनी, शत्रुघ्न सिन्हा और अमिताभ बच्चन जैसे सितारों को मेरा इंतजार करना पड़ता। हालांकि मैं कुछ समय बाद धीरे-धीरे ठीक हो रहा था कुछ दिन बाद काफी बेहतर हो गया था और सेट पर आने लगा था।

आपको बता दें कि 30 अप्रैल 2020 को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर हमेशा के लिए दुनिया को अलविदा कर गये।

शाकाहारी होने के बाद भी रश्मिका मंदाना ने खाया चिकन बर्गर, लोगों ने किया ट्रोल, कहा- ये पाखंड क्यों?

मुम्बई। रश्मिका मंदाना सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस में से एक हैं। एक्ट्रेस ने साउथ की फिल्में करके अपनी खास जगह बनाई और बाद में बॉलीवुड डेब्यू किया। रश्मिका मंदाना ने बॉलीवुड में भी दमाकेदार एंट्री की और सभी एक्ट्रेस को आसुरक्षित महसूस करवा दिया। दक्षिण भाग से ताल्लुख रखने के कारण उन्होंने अपनी कई इंटरव्यू में कहा है कि वह शाकाहारी हैं। अब एक्ट्रेस को इसी वजह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा हैं। दरअसल रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने एक विज्ञापन के लिए सवालों के घेरे में आ गई हैं। अभिनेत्री एक लोकप्रिय बर्गर ब्रांड के विज्ञापन का हिस्सा थीं जहां उन्हें मसालेदार तले हुए चिकन का प्रचार करते देखा गया था। यह एक कमर्शियल विज्ञापन था। जिसमें वह चिकन बर्गर को खाकर प्रचार करती दिखाई दे रही हैं। हालाँकि

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया, जब उन्होंने बताया कि दीवा ने पहले उल्लेख किया था कि वह शाकाहारी हैं! लोकप्रिय बर्गर ब्रांड मैकडॉनल्ड्स का विज्ञापन अब इंस्टाग्राम पर वायरल हो गया है। वीडियो में एक्ट्रेस चिकन बर्गर और मैक स्पाइसी फ्राइड चिकन का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। जल्द ही नेटिज़न्स ने चिकन को बढ़ावा देने के लिए उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि जब उसने खुद पहले कहा था कि वह शाकाहारी है और शाकाहारी का समर्थन करती है फिर अब चिकन हर्गर कैसे खा रही हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, 'जाहिरा तौर पर शाकाहारी रश्मिका मंदाना श्'अर्द्हेत् के चिकन बर्गर का आनंद लेती हैं। सेलेब्स और उनका पाखंड।'

एक अन्य ने लिखा, 'रश्मिका मंदाना नवीनतम मैकडॉनल्ड्स विज्ञापन में चिकन बर्गर खाते हुए दिखाई दे रही हैं। जनता पूछती है - क्या वह शाकाहारी नहीं है? पोस्ट पर एक कमेंट में कहा गया है, 'अब कम से कम यह तो समझ लीजिए कि हम कांडिगा उन्हें क्यों पसंद नहीं करते... क्योंकि वह कई बार अपने शब्द यहां-वहां बदल लेती हैं।' दूसरे ने कहा यह नकली चिकन हो सकता है लेकिन हाँ, उसे विज्ञापन नहीं करना चाहिए क्योंकि वह कहती है कि वह शाकाहारी है।

रश्मिका मंदाना को वरिसु में देखा गया था। अभिनेत्री के पास पाइपलाइन में रणबीर कपूर के साथ संदीप रेड्डी वंगा की एनिमल है। दूसरी ओर, बेलमकोंडा श्रीनिवास छत्रपति के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म वीवी विनायक द्वारा निर्देशित की गई है और एसएस राजामौली की उसी नाम की फिल्म का आधिकारिक रीमेक है जिसमें प्रभास ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

राशिफल

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में कामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

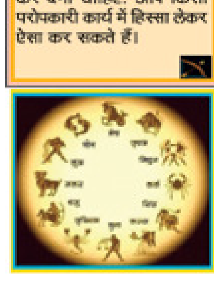

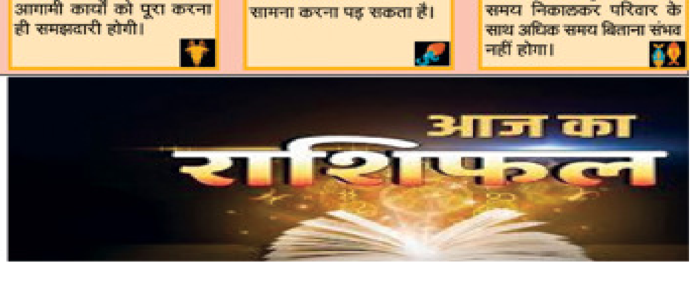

जेनिफर बंसीवाल ने छोड़ा तारक मेहता का उल्टा चश्मा

मुम्बई। तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माताओं और शो के कलाकारों के बीच चीजें ठीक नहीं लग रही हैं। शैलेश लोढ़ा के बाद, सिटकॉम में श्रीमती रोशन सोढ़ी की भूमिका निभाने के लिए जानी जाने वाली जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने शो छोड़ दिया। शैलेश लोढ़ा द्वारा निर्माता असित कुमार मोदी के खिलाफ बकाया भुगतान न करने का मामला दर्ज करने के बाद, जेनिफर ने निर्माता पर कुछ गंभीर आरोप लगाए। शो में श्रीमती रोशन सिंह सोढ़ी की भूमिका निभाने वाली बंसीवाल ने निर्माता मोदी, प्रोजेक्ट हेड सोहेल रमानी और कार्यकारी निर्माता जतिन बजाज के खिलाफ कार्यस्थल पर कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है। अनुसार, शो के करीबी सूत्रों ने बताया कि अभिनेत्री ने दो महीने पहले शो की शूटिंग बंद कर दी थी। सूत्र ने आगे बताया कि उन्होंने शो के लिए आखिरी बार 7 मार्च को शूटिंग की थी और दावा किया कि 'सोहेल और कार्यकारी निर्माता जतिन बजाज द्वारा 'अपमान' किए जाने के बाद उन्हें सेट छोड़ना पड़ा। एक्ट्रेस ने शो छोड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया और टीओआई से कहा, 'हां, मैंने शो छोड़ दिया है। यह सही है कि मैंने इस साल 6

मार्च को तारक मेहता का उल्टा चश्मा का अपना आखिरी एपिसोड शूट किया था। मुझे सेट छोड़ना पड़ा क्योंकि मुझे श्री सोहिल रमानी और अन्य कार्यकारी निर्माता जतिन बजाज के हाथों अपमान और अपमान का शिकार होना पड़ा। पिछले 15 सालों से लोकप्रिय शो का हिस्सा रहीं जेनिफर ने उस घटना को साझा किया जिसके कारण उन्होंने शो छोड़ दिया। उन्होंने बताया '7 मार्च को मेरी शादी की सालगिरह और होली थी जब यह घटना हुई। मुझे सोहेल रमानी द्वारा चार बार सेट से उतरने के लिए कहा गया और कार्यकारी निर्माता ने मेरी कार के पीछे खड़े होकर रोकने की कोशिश की और मुझे छोड़ने की अनुमति नहीं दे रहे थे। मैंने उनसे कहा कि मैंने शो में 15 साल तक काम किया और वे मुझे जबरदस्ती नहीं रोक सकते थे और जब मैं जा रही था तो सोहिल ने मुझे धमकी दी। मैंने असित कुमार मोदी, सोहेल रमानी और जतिन बजाज के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया है। जेनिफर ने साझा किया कि घटना के बाद, उन्हें निर्माताओं से एक कॉल आने की उम्मीद थी, इसके बजाय 24 मार्च को सोहिल ने उन्हें एक कानूनी नोटिस भेजा जिसमें उल्लेख किया गया था कि कैसे उन्होंने शूटिंग छोड़ दी और वे पैसे खो रहे हैं। वरिष्ठ अभिनेत्री ने कहा कि कैसे निर्माताओं ने उन्हें डराने की भी कोशिश की। बाद में 4 अप्रैल को जब जेनिफर ने उन्हें व्हाट्सएप पर जवाब दिया तो उनका यौन उत्पीड़न किया गया। शैलेश ने कानूनी रास्ता अपनाने का फैसला किया। मार्च में अभिनेता ने कथित तौर पर निर्माता असित कुमार मोदी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और उनके प्रोडक्शन हाउस पर मुकदमा दायर किया। लोढ़ा नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) पहुंचे और सेक्शन 9 के तहत कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन शुरू किया क्योंकि असित अपने कर्ज का भुगतान नहीं कर सके।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।